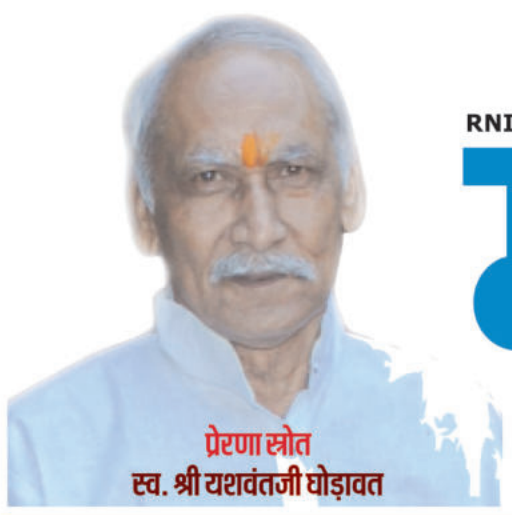


RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

# माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com


**सुविचार**

**अरूणोदय के पूर्व सदैव घनघौर अंधकार होता है।**

मैथिलीशरण गुप्त


वर्ष-07, अंक - 38 (साप्ताहिक) खवासा, गुरूवार 12 जून 2025 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए


## राज के लिए राजा की हत्या...

# हनीमून से हत्याकांड, विश्वास के रिश्ते तार-तार

माही की गूंज। संजय भटेवरा

इंदौर/शिलांग (मेघालय)। पति को यमराज के हाथों से वापस लाने की क्षमता रखने वाली नारी, अगर अपने ही पति को यमराज के पास पहुचाने लग जाए तो यह कलयुग नहीं तो क्या है...? जिस पति के साथ, सात जन्मों तक का साथ निभाने वाले वचन के साथ पवित्र अग्नि के समक्ष साथ फेरे लिए। उस पति के साथ 7 दिनों का भी साथ नहीं निभाया। विवाह जैसे पवित्र रिश्ते और पति-पत्नी के विश्वास को तार-तार कर देने वाली इस घटना के बाद पूरे देश में सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया चल रही है। विवाह जैसे पवित्र बंधन का धागा अटूट होता है लेकिन सोनम ने इस अटूट बंधन को एक झटके में ही तोड़ दिया।

### क्या है पूरा मामलाः

इंदौर निवासी राजा रघुवंशी और सोनम का विवाह सामाजिक रीति-रिवाज के अनुसार धूमधाम से 11 मई को संपन्न होता है और 20 मई को दोनों हनीमून के लिए मेघालय जाते हैं। तथा 23 मई को परिवारजनों का उनसे संपर्क टूट जाता है और उनकी गुमशुदगी की सूचना पूरे देश में फैल जाती है। किसी अनहोनी की आशंका के चलते परिवारजनों द्वारा सरकार से गुहार लगाई जाती है और मामले की गंभीरता को देखते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, मेघालय के मुख्यमंत्री से भी बात करते हैं। अगले 7 दिनों तक उक्त दंपति का कोई पता नहीं चलता है लेकिन 2 जुन को एक क्षत विक्षत शव मेघालय के पहाड़ी इलाकों की एक खाई में मिलता है, जिसकी सीनाक्त इंदौर के राजा रघुवंशी के रूप में हाथ में बने टैटू के आधार पर होती है। जिसके बाद राजा रघुवंशी के परिवार सहित पूरे इंदौरवासी बहू सोनम को लेकर चिंतित हो जाते हैं और मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना की सीबीआई जांच की भी मांग की जाती है। साथ ही सोनम की सलामती की दुआएं भी की जाती है। लेकिन जिस सोनम की सलामती की दुआ की जा रही थी दरअसल पूरी घटनाक्रम की मास्टरमाइंड वही साबित होती है। जिसके बाद जो लोग सोनम की सलामती की दुआ कर रहे थे वे ही सोनम के पोस्टर जलाने लग गए।

### कैसे हुआ घटना का खुलासा

कहते हैं अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो कोई न कोई सबूत अवश्य छोडता है और इस मामले में भी कुछ यही हुआ। दरअसल मेघालय पुलिस ने इस मामले को अपनी छवि और पर्यटन उद्योग पर होने वाले दूरगामी परिणामों को लेकर एक चैलेंज के रूप में लिया। मेघालय में हर साल 13 लाख से अधिक पर्यटक आते हैं और इस घटना के बाद इस पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता था, और मामले की सीबीआई जांच की भी मांग की जा रही थी। ऐसे में मेघालय सरकार ने इसकी जांच एसआईटी को सोपी और एसआईटी ने 5 टीमें बनाकर अलग-अलग सिरे से जांच करना प्रारंभ की। पहली टीम ने हत्या वाले दिन का विस्तृत एनालिसिस किया तो तथ्य सामने आया कि, सोनम ने 23 मई को दोपहर 1:43 बजे अपनी सास से बात की और उसके आधे घंटे बाद ही राजा की हत्या कर दी गई। सोनम ने अपनी सास को अपने उपवास के बारे में झूठ बोला, जबकि होटल में उसने भरपेट खाना खाया था।

दूसरी टीम को सीसीटीवी फुटेज जुटाने की जिम्मेदारी दी गई जिसमें सूराग मिला कि, राजा जब होटल के भीतर था, तब सोनम बाहर आई और उसने मोबाइल से कुछ मैसेज किये, यहां पर पुलिस को सोनम की कुछ गतिविधि संदिग्ध लगी।

तीसरी टीम ने मोबाइल के कॉल डिटेल का डाटा एकत्रित किया जिसमें यह तथ्य सामने आया कि, वह राज कुशवाह से बात करती थी। लगभग 5 लाख से अधिक नंबरों की जांच के बाद पुलिस इस तथ्य पर पहुंची कि, इंदौर में जो सिम एक्टिवेट हुई थी वो मेघालय में सोनम के आसपास लगातार चालू रही और हत्या के बाद बंद पाई गई।

चौथी टीम ने स्थानीय लोगों और आसपास के लोगों से पूछ ताछ शुरू की जिसमें यह तथ्य सामने आया कि, तीन हिंदी भाषी लोग सोनम के आसपास लगातार चल रहे थे और उन्होंने राजा से दोस्ती भी कर ली थी। सीसीटीवी में तीन लड़के एक साथ नजर आए और उनमें से एक की पहचान स्थानीय गाईड ने भी की।

पांचवी टीम ने सोशल मीडिया पोस्ट का एनालिसिस किया, तो यह तथ्य सामने आया कि, हनीमून पर जाने वाले युगल अक्सर अपने फोटो सोशल मीडिया पर डालते हैं लेकिन सोनम ने एक भी पोस्ट नहीं डाली। पुलिस ने इसका मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया तो यह तथ्य सामने आया कि, इस मामले में सोनम और राजा के बीच सब कुछ अच्छा नहीं था। क्योंकि नवयुगल अक्सर अपनी सेल्फी लेकर सोशल साइटों पर पोस्ट करते हैं।

इन सब चीजों का सूक्ष्मता पूर्वक विश्लेषण करने के बाद पुलिस ने दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया, जिसके लिए मेघालय पुलिस बधाई की पात्र है। लेकिन सोनम और राजा की इस स्टोरी ने देश में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। साथ ही पति-पत्नी के पवित्र रिश्तो को कलंकित भी किया। आदिकाल से चले आ रहे इस पवित्र बंधन पर एक ऐसा दाग लगाया है जो शायद आने वाले समय में धूल नहीं पाएगा।

क्या सोनम के लिए पति की हत्या करना ही एकमात्र विकल्प था ...? क्या सोनम को हत्या के बाद होने वाली कार्यवाही का कोई डर नहीं था...? सोनम को अगर राज से ही शादी करना थी तो, उसने राजा से शादी क्यों की...? आदि ऐसे कई अनसुलझे सवाल है जिनका जवाब सोनम शायद नहीं दे पाए। लेकिन सोनम के इस कदम ने एक साथ तीन परिवारों को मुश्किल में अवश्य डाल दिया। साथ ही समाज में भी एक गलत संदेश दिया है और विवाह जैसे पवित्र बंधन को बदनाम किया है। पति को परमेश्वर मानने वाले देश में पति की इस प्रकार हत्या करके देश और समाज में एक गलत संदेश दिया।

**बुलडोजर कार्रवाईः**

# 1200 घरों पर चला बुलडोजर

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

दिल्ली के कालकाजी क्षेत्र स्थित लगभग 1200 झुग्गियों को हटाने की कार्रवाई शुरू हो गई है। इससे पहले दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने एक संदेश में लिखा, सुबह 5 बजे से भूमिहीन शिविर में भारतीय जनता पार्टी का बुलडोजर चलना शुरू हो गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आपने तो तीन दिन पहले कहा था कि एक भी झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी। फिर यह कार्रवाई क्यों हो रही है?

कालकाजी क्षेत्र के भूमिहीन शिविर में बड़ी संख्या में झुग्गियां बसी हैं, जो दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की ज़मीन पर अतिक्रमण करके बनाई गई थीं। उच्च न्यायालय से इन्हें हटाने की अनुमति मिलने के बाद डीडीए ने इन पर नोटिस चिपकाया था, जिसमें कहा गया था कि 10 जून तक झुग्गियों को खाली कर दिया जाए। तय समय सीमा समाप्त होते ही बुधवार सुबह ध्वस्तीकरण की कार्यवाही शुरू हो गई।

बुलडोजर कार्रवाई की आशंका को देखते हुए मौके पर भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। दिल्ली पुलिस के साथ-साथ अर्धसैनिक बलों के जवान भी तैनात किए गए हैं। डीडीए द्वारा तीन दिन पहले ही नोटिस जारी किया गया था, जिसके बाद इलाके में सियासी गतिविधियां तेज़ हो गई थीं। आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को यहां प्रदर्शन किया। इसी दौरान पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को हिरासत में लिया गया।

कार्रवाई शुरू होने के बाद आतिशी ने फिर से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को याद दिलाया कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि, जब तक झुग्गीवासियों को वैकल्पिक आवास नहीं मिलेगा, तब तक उन्हें हटाया नहीं जाएगा।

## प्रथम पूजाः उपराज्यपाल ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

**अमरनाथ।** अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियों की औपचारिक शुरुआत पवित्र गुफा में प्रथम पूजा के साथ हो गई है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बाबा बर्फानी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और देशवासियों के सुख, शांति तथा समृद्धि की कामना की।

हर वर्ष यात्रा के आरंभ से पूर्व की जाने वाली यह प्रथम पूजा अमरनाथ यात्रा की पारंपरिक शुरुआत का प्रतीक मानी जाती है। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने कहा, हर हर महादेव! बाबा बर्फानी से प्रार्थना की है कि वे हम सभी पर कृपा बनाए रखें।

उन्होंने देशभर के श्रद्धालुओं से अपील की कि, 3 जुलाई से आरंभ हो रही इस पवित्र यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। साथ ही उन्होंने इस तीर्थयात्रा को केवल धार्मिक नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर और समूचे देश की शांति और प्रगति के लिए एक सामूहिक साधना बताया। उपराज्यपाल सिन्हा ने अमरनाथ तीर्थस्थल बोर्ड, प्रशासन, सेना, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) तथा जम्मू-कश्मीर पुलिस सहित सभी एजेंसियों द्वारा की जा रही तैयारियों की सराहना की। यात्रा मार्गों पर सुरक्षा को लेकर भी व्यापक प्रबंध किए गए हैं। भारतीय सेना, केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती पहले ही बढ़ा दी गई है, ताकि लाखों तीर्थयात्रियों को हर संभव सुरक्षा प्रदान की जा सके।

# लिक्विड ऑक्सीजन में रिसाव, टली अंतरिक्ष यात्रा

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

*भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) के लिए प्रस्तावित यात्रा एक बार फिर स्थगित कर दी गई है। इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि मिशन को संचालित करने वाली कंपनी स्पेस एक्स ने प्रक्षेपण से पहले किए गए बूस्टर निरीक्षण के दौरान तरल ऑक्सीजन (लिक्विड ऑक्सीजन) में रिसाव पाया है।*

स्पेस एक्स ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि हम सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं कर सकते। पोस्ट-स्थैतिक अग्नि परीक्षण (फायर टेस्ट) के दौरान बूस्टर में तरल ऑक्सीजन का रिसाव सामने आया, जिसके कारण प्रक्षेपण को अगली तिथि तक टाल दिया गया है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), एक्सिओम और स्पेस एक्स के विशेषज्ञों के बीच लंबी चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया कि पहले रिसाव को ठीक किया जाएगा और उसके बाद दोबारा परीक्षण किया जाएगा। उसके पश्चात ही प्रक्षेपण की अनुमति दी जाएगी।

इस कारण 11 जून 2025 को प्रस्तावित एक्सिओम-04 मिशन को फ़िलहाल स्थगित कर दिया गया है। यह मिशन भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसके तहत शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय नागरिक बनेंगे जो किसी निजी अंतरिक्ष अभियान के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र तक पहुंचेंगे।

गौरतलब है कि यह मिशन पहले भी कई बार तकनीकी कारणों से टल चुका है। अब न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया की निगाहें इस ऐतिहासिक उड़ान पर टिकी हैं कि इसे दोबारा कब निर्धारित किया जाएगा।

स्पेस एक्स ने सामाजिक मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर जारी बयान में कहा कि फाल्कन 9 रॉकेट से प्रस्तावित एएक्स-4 मिशन को रोका जा रहा है, ताकि एलओएक्स (तरल ऑक्सीजन) रिसाव को ठीक किया जा सके और सभी ज़रूरी सुधार किए जा सकें। मरम्मत पूरी होने और प्रक्षेपण क्षेत्र की उपलब्धता सुनिश्चित होने के बाद ही अगली तिथि साझा की जाएगी।

इसरो ने भी इस संबंध में बयान जारी कर कहा कि फाल्कन 9 प्रक्षेपण यान के बूस्टर चरण के परीक्षण के दौरान 7 सेकंड की गर्मी जांच (हॉट टेस्ट) की गई थी, जिसमें प्रणोदन कक्ष (प्रोपल्शन बे) में एलओएक्स का रिसाव पाया गया।

# जीवन है तो खेल है, खेल जीवन नहीं...!

माही की गूंज, झाबुंआ। मुजम्मील मंसुरी

भारत में क्रिकेट को लेकर दीवानगी किसी से छुपी नहीं है। क्रिकेट का खेल भारत की रग-रग में बसा है और यह गांव व शहर में समान रूप से लोकप्रिय है। भारत-पाकिस्तान का क्रिकेट मैच किसी जंग से कम नहीं होता है यह खेल भारतीयों की आत्मा में बसा है। क्रिकेट से सुनील गावस्कर, कपिल देव, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे कई नामी खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत ख्याति प्राप्त की है और ये खिलाड़ी यूथ आइकॉन बने हैं। क्रिकेट की हार और जीत पर प्रत्येक भारतवासी दुखी और खुश होता है। बात अगर राष्ट्रीय टीम की हो तो यह दीवानगी समझ आती है लेकिन पिछले दिनों इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु यानी आरसीबी की जीत पर बेंगलुरु में जश्न मनाया गया। जिसमें भगदड़ मच गई और करीब 11 लोग काल के गाल में समा गए और 50 से ज्यादा दर्शक घायल हो गए। इसे आप क्रिकेट का जश्न कहेंगे या क्रिकेट का पागलपन। जीवन में खेल जरूरी है लेकिन खेल को जीवन बना लेना कहां तक जायज है...?

बेंगलुरु के स्टेडियम में लगभग 35 हज़ार दर्शकों की क्षमता थी लेकिन 3 लाख से ज्यादा लोग जश्न मनाने पहुंच गए। अचरज की बात यह है कि, आयोजकों ने इस हेतु कोई पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम नहीं किए थे। भगदड़ मचने के बाद भी जश्न रोका नहीं गया। जिन खिलाड़ियों को मात्र देखने भर के लिए जिन आम लोगों ने अपनी जान की बाजी लगा दी उन खिलाड़ियों ने अपने प्रशंसकों की मौत की खबर सुनने के बाद भी संवेदना प्रकट करना तक उचित नहीं समझा और वे जश्न मनाने में ही मशगुल रहे। ये संवेदनहीनता की पराकाष्ठा नहीं तो क्या है...?

आईपीएल हर साल आयोजित होता है और हर साल कोई न कोई टीम अवश्य जीतती है। अभी तक इससे पहले 17 फाइनल मुकाबले हो चुके हैं और हर बार विजेता टीम द्वारा जश्न मनाया गया। लेकिन ऐसा तो पहले कभी नहीं हुआ कि, जश्न में किसी क्रिकेट प्रेमी की जान चली गई हो। निश्चित रूप से इस आयोजन में आयोजकों की गलतियों की वजह से क्रिकेट प्रेमियों की जान गई है और इस मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज करने के आदेश दिए गए। जिसके बाद आरसीबी के मार्केटिंग प्रमुख बेंगलुरु हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था।

### खेल को खेल ही रहने दो

किसी भी खेल में हार-जीत सामान्य रूप से होती है ऐसे में खेल को अपनी प्रशिठा से जोड़ना या इसे अपना जुनून बना लेना कहां तक उचित है? और क्रिकेट के नए प्रारूप टी-20 में भरपूर रोमांच रहता है और जिस दिन जो टीम अच्छा खेलती है वह जीत जाती है। यहां हारने वाली टीम जीत सकती है और जीतने वाले टीम हार सकती है। इसलिए इसको एक सामान्य खेल के रूप में ही लिया जाना चाहिए। लेकिन आईपीएल की मार्केटिंग टीम ने इसे लोगों की भावना से जोड़ दिया और क्रिकेट प्रेमी अपने टीम को हारते हुए नहीं देखना चाहते हैं। आईपीएल लीग की शुरुआत करते समय यही कहा गया था कि, इसमें भारतीयों का खेल का कौशल दिखाने के लिए मंच मिलेगा। युवा खिलाड़ी, नामी गिरामी और अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेल कर बहुत कुछ सीख सकते हैं और आईपीएल के माध्यम से कई खेल प्रतिभाएं सामने आएगी। इसमें कुछ हद तक सफलता भी मिली है लेकिन इस खेल से गली मोहल्ले में सटोरिये भी पैदा हो गए हैं। आईपीएल के दौरान देश के विभिन्न शहरों से सट्टा लगाने की खबरें सामने आती रहती है। वही सोशल मीडिया में भी हर मैच को बड़ा चढाकर पेश किया जाता है। यही नहीं जिन खिलाड़ियों को क्रिकेट प्रेमी सर आंखों पर बिठाते हैं वह खिलाड़ी ही चंद रुपये के लालच में आकर अपने समर्थको और क्रिकेट प्रेमियों को ऑनलाइन सट्टा लगाने की सलाह देते नजर आते हैं। ड्रीम 11, माय सर्कल आदि कई विज्ञापनों के माध्यम से ये स्टार खिलाड़ी, सट्टेबाजी को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। क्रिकेट केवल खेल है और इसे भी अन्य खेलों की तरह ही खेल ही रहने देना चाहिए। क्रिकेट के दम पर लोकप्रियता हासिल करने वाले खिलाड़ियों को भी चाहिए कि, वो अपने समर्थकों की भावनाओं से खिलवाड़ न करें और न ही उन्हें ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए प्रोत्साहित करें। सरकार को भी चाहिए कि, वो इस प्रकार के ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप को बंद करवा कर भविष्य की पीढ़ी इस बर्बादी के रास्ते पर जाने से बचाए। भारत में होने वाला आईपीएल इन सट्टेबाजों के लिए सटोरियों का त्योहार साबित होता जा रहा है और इसकी मार्केटिंग के नाम पर नित नए हथकंडे अपना कर क्रिकेट प्रेमियों की भावनाओं से खिलवाड़ किया जा रहा है। अपने समर्थकों की जान पर दो शब्द संवेदना के न कहने वाले इन स्टार खिलाड़ियों से क्रिकेट प्रेमी निराश नजर आ रहे हैं।

# ओवरलोड ऑटो पलटा, 10 लोग घायल

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के शिवगढ़ रोड स्थित रामपुरिया छोटा फंटा के पास दर्दनाक हादसा हो गया। ओवरलोड सवारी से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें 10 लोग घायल हो गए।

इनमें दो मासूम बच्चे भी शामिल हैं। हादसे की वजह सड़क पर अचानक आए एक कुत्ते को बचाने की कोशिश बताई जा रही है। दुर्भाग्यवश कुत्ते की मौत हो गई।

### ऑटो में क्षमता से अधिक सवारियां, रामपुरिया से रतलाम आ रहे थे ग्रामीण

घटना सुबह उस वक्त हुई जब ग्रामीणों से भरा एक ऑटो रामपुरिया गांव से रतलाम की ओर आ रहा था। बताया गया है कि ऑटो में क्षमता से कई गुना अधिक लोग सवार थे। जैसे ही वाहन रामपुरिया फंटा स्थित छोटी पुलिया के पास पहुंचा, अचानक एक कुत्ता ऑटो के सामने आ गया। ड्राइवर ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन ऑटो का बैलेंस बिगड़ गया और वह पलट गया।

### हादसे से मचा हड़कंप, स्थानीय लोग दौड़े मदद को

हादसे के तुरंत बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ऑटो में बैठे यात्रियों को कुछ समझ नहीं आया कि अचानक क्या हुआ। हादसे में घायल लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। लेकिन मौके पर एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची, जिससे नाराजगी का माहौल भी देखने को मिला।

### बाइक और ऑटो से अस्पताल पहुंचाए गए घायल

भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा के कार्यकर्ता दिनेश माल भी हादसे की सूचना मिलने पर तत्काल जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंचने के कारण स्थानीय लोग और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने ही घायलों को बाइक और अन्य ऑटो की मदद से अस्पताल पहुंचाया।

इन सभी को हाथ, पैर, पीठ में चोटें आई हैं। डॉक्टरों की निगरानी में प्राथमिक उपचार के बाद कुछ को छुट्टी दे दी गई है, जबकि बुजुर्ग और बच्चों की हालत को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

### ओवरलोडिंग और लापरवाही बन रही हादसों की वजह

यह घटना एक बार फिर ग्रामीण परिवहन व्यवस्था की खामियों और ओवरलोडिंग के गंभीर खतरे को उजागर करती है। सवारी वाहनों में तय सीमा से अधिक लोगों को बैठाना, सुरक्षा मानकों की अनदेखी और इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम की लचर स्थिति ऐसे हादसों को न्योता देती है।

### पुलिस जांच में जुटी, एंबुलेंस समय पर क्यों नहीं आई - बड़ा सवाल

घटना की जानकारी मिलने पर डीडी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, घटना के बाद एम्बुलेंस की लेटलतीफी को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। कई लोगों ने मांग की है कि स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन से जुड़ी सेवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में और अधिक सक्रिय और जवाबदेह बनाया जाए।

# लेडी डॉक्टर ने व्हाट्सएप पर स्टेटस डाला, बीजेपी विधायक को पहुंची ठेस

राजगढ़/ब्यावरा।

जिला चिकित्सालय में पदस्थ रह चुकी महिला डॉक्टर आकांक्षा सिंह को स्वास्थ्य आयुक्त ने सस्पेंड कर दिया है। डॉक्टर आकांक्षा सिंह का एक हफ्ते पहले ही जिला चिकित्सालय राजगढ़ से नीमच ट्रांसफर हुआ था। जब वह राजगढ़ जिला चिकित्सालय में पदस्थ थीं उस वक्त कई महिलाओं ने उनके खिलाफ प्रसूति को लेकर काफी शिकायते थीं।

शिकायतों पर राजगढ़ के बीजेपी विधायक अमर सिंह यादव भी जिला चिकित्सालय पहुंचे और लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर डॉक्टर का तबादला और कहीं करवाना चाहते थे। जिसके लिए विधायक ने विभाग के मंत्रियों को अपने लेटर हेड पर पत्र भी लिखे थे।

आरोप है कि, डॉक्टर ने कथित तौर पर अपने खर्च पर अपना ट्रांसवर मनचाही जगह यानी नीमच करवा लिया है। एक हफ्ते पहले ही उन्होंने नीमच में ज्वॉइन भी कर लिया। ज्वाइन करने के बाद डॉक्टर आकांक्षा सिंह ने अपने व्हाट्सएप स्टेट्स पर लिखा कि, 'याद रहे स्वयं के व्यय पर और अपनी मनचाही जगह पर3 पीछा छूटा अपना तो3' इतना ही नहीं उन्होंने अपने स्टेटस में एक नोट भी लिखा जिसमें उन्होंने लिखा, 'नोट3 लेटर हेड पर जिन आदरणीय ने उछल-उछलकर लिख दिया था कि हमारा ट्रांसवर कर दिया जाएं। वहां डस्टबिन से उठा लें वह वहीं पड़ा है।'

### स्टेटस के बाद विधायक को पहुंची ठेस

डॉक्टर के इस स्टेट्स के बाद विधायक अमरसिंह को और भी बुरा लगा इससे उनके आत्मसम्मान को ठेस लगी। वह सीधे भोपाल में जाकर स्वास्थ्य मंत्री से मिले। वहां पर उन्होंने डॉक्टर का स्टेट्स दिखाया और निलंबन की कारवाई की मांग की। स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक ने मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने और खुद के व्हाट्सएप स्टेटस पर अनर्गल शब्दों का प्रयोग करने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

### आयुक्त तक पहुंचाई पूरी बात

बता दें कि, बीजेपी विधायक अमर सिंह यादव ने अपने आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाने की बात आयुक्त तक पहुंचाई। इस मामले से साफ जाहिर है कि बीजेपी विधायक अमरसिंह यादव की इनके बीजेपी के शासन काल में के दौरान सुनवाई नहीं हो रही है। अगर ऐसा नहीं होता तो डॉक्टर आकांक्षा सिंह पर पहले ही उचित कार्रवाई हो जाती।

# पुलिस अधीक्षक ने एनसीसी छात्र सैनिकों से किया संवाद

माही की गूंज, मंदसौर।

5 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद ने एनसीसी छात्र सैनिकों से संवाद किया। राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स और पुलिस अधीक्षक के बीच यह संवाद प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, देशभक्ति और नागरिक दायित्व की भावना को सुदृढ़ करना था। पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद ने कैडेट्स को पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली, कानून व्यवस्था की चुनौतियाँ, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा तथा युवाओं की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि युवा नशामुक्ति, ट्रैफिक नियमों के पालन और साइबर अपराध के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कैडेट्स ने भी पुलिस अधीक्षक श्री आनंद से विभिन्न सामाजिक विषयों पर प्रश्न पूछे और संवाद किया। इस संवाद से उनमें नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना और भी प्रबल हुई। साथ ही, पुलिस प्रशासन के प्रति उनका विश्वास और अपनत्व भी बढ़ा। कार्यक्रम के अंत में 5 म.प्र. बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल ज्योति प्रकाश ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शिविर में उपस्थित होकर युवाओं को प्रेरित करेंगे।

# हृदय रोगी बच्चो का होगा निःशुल्क उपचार

माही की गूंज, झाबुआ।

संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में 15 जून को इंदौर में आयोजित होने वाली निःशुल्क हृदय रोग निदान शिविर को लेकर संभागायुक्त कार्यालय में मंगलवार को बैठक आयोजित की गई है। बैठक में संभाग के सभी जिलों के स्वास्थ्य अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल हुए। इंदौर से संयुक्त आयुक्त विकास श्री डीएस रणदा और क्षेत्रीय संयुक्त संचालक डॉ. पूनम गड़रिया शामिल हुए। यह शिविर श्री सत्य सांई सेवा संगठन मध्यप्रदेश तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि संभाग के सभी जिलों में ऐसे बच्चों को चिन्हित कर लिया गया है, जिनका स्वास्थ्य परीक्षण कर इलाज किया जाना है। झाबुआ जिले में 13 बच्चे हृदयरोगी हैं, जिन्हें ऑपरेशन की आवश्यकता है। इस प्रकार कुल 85 बच्चे चिन्हित किये गये हैं। सभी चिन्हित बच्चों को 15 जून को इंदौर में आयोजित निःशुल्क हृदयरोग निदान शिविर में बसों के द्वारा लाया-लेजाया जायेगा और उनका विशेषज्ञ द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। इसके बाद आवश्यकतानुसार इन बच्चों का ऑपरेशन श्री सत्य सांई हार्ट हॉस्पिटल में किया जायेगा। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने संभाग के सभी जिलों के स्वास्थ्य अमले को निर्देश देते हुए कहा कि, श्री सत्यसांई विद्या विहार विजय नगर इंदौर में आयोजित निःशुल्क हृदयरोग निदान शिविर में पीड़ित बच्चों और उनके परिजनों को लाने-ले जाने की सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करें। श्री सिंह ने कहा कि, संभाग में यदि कोई हृदय रोगी बच्चे पंजीयन से छूट गये हों तो उनका संबंधित जिला कलेक्टर अथवा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से सम्पर्क कर शीघ्र पंजीयन करवायें, ताकि 15 जून को इंदौर में आयोजित निःशुल्क हृदय रोग निदान शिविर से वंचित नहीं रहे।

# टीबी मरीजों को फुड बास्केट का किया वितरण

माही की गूंज, उज्जैन। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 को टीबी उन्मूलन हेतु निर्धारित किया गया है जिसमें अधिक से अधिक जांच एवं उपचार प्रदाय किया जा रहा है। टीबी मरीजों को उपचार के दौरान फुड बास्केट (पोषण आहार) का वितरण निक्षय मित्र, जनसहयोग, एनजीओ, जनप्रतिनिधि के माध्यम से प्रदाय किया जाता है। इस परिपालन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 अशोक कुमार पटेल के मार्गदर्शन में आज दिनांक 11/6/2025 को एनटीईपी स्टॉफ की तरफ से 200 फुड बास्केट उपलब्ध करवाये गये जो कि टीब मरीजों को वितरित किये जायेंगे। साथ ही संजीवनी क्लीनिक शास्त्री नगर में स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें हेण्ड हेल्ड एक्सरे मशीन द्वारा 50 एक्सरे किये गये, 22 स्पुटम सेम्पल सीबीनॉट टेस्टिंग हेतु भेजे गये।इस अवसर पर डीएचओ डॉ0 सुनिता परमार, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ0 आर0के0 पाल एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ0 अरूण कुशवाह एवं एनटीईपी का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे। जिला क्षय अधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधि, एनजीओ, आमजनों से अपील की गई वे भी इस कार्यक्रम से जुड़े एवं टीबी मरीजों को पोषण आहार का वितरण करने में अपना सहयोग प्रदान करें।

# नए बनेंगे वन्य प्राणी रेस्क्यू सेंटर, हर संभाग में होंगी आधुनिक सुविधाएं

माही की गूंज, भोपाल।

प्रदेश में वन्य जीवों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से बातचीत में घोषणा की कि, प्रदेश में नए वन्य प्राणी बचाव केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। जिससे घायल और संकट में पड़े वन्यजीवों को त्वरित उपचार और देखभाल मिल सकेगी।

डॉ. यादव ने बताया कि, मध्यप्रदेश, देश का सबसे समृद्ध वन्यजीव संपन्न राज्य है। यहाँ बाघ, तेंदुए और गिद्धों की सबसे अधिक संख्या है। साथ ही विभिन्न वन क्षेत्रों में मगरमच्छ और घड़ियाल भी पाए जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, वर्तमान में राजधानी भोपाल के वन विहार में ही एकमात्र रेस्क्यू सेंटर है, जहां प्रदेशभर से घायल या बीमार वन्यजीव लाए जाते हैं। बदलते पर्यावरण के कारण कई बार वन्यजीवों को दिक्कत होती है, इसलिए अब हर संभाग में रेस्क्यू सेंटर की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। चीतों को पालपुर कूनो राष्ट्रीय उद्यान से गांधी सागर वन क्षेत्र में स्थानांतरित कर नया राष्ट्रीय उद्यान विकसित किया जा रहा है। साथ ही किंग कोबरा जैसे अद्भुत जीवों को भी प्रदेश में लाया गया है, जिससे वन्यजीव प्रेमियों को और बेहतर अनुभव मिलेगा। प्रदेश में दो नए प्राणी उद्यान स्थापित करने की योजना को बजट में मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि, गुजरात के जामनगर में देश का सबसे बेहतरीन प्राणी उद्यान और रेस्क्यू सेंटर है, जिसकी व्यवस्थाओं का अध्ययन करने वे गुजरात यात्रा पर जा रहे हैं। वहां वन्यजीव संरक्षण से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर मध्यप्रदेश में लागू किया जाएगा। डॉ. यादव ने कहा कि, प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े कॉलेजों में पशु चिकित्सा कोर्स और अस्पताल बनाए जा रहे हैं। जिससे पशु चिकित्सकों की संख्या बढ़ेगी। निकट भविष्य में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि, यदि किसी वन्यजीव को संकट में देखें तो तुरंत नजदीकी वन विभाग के अधिकारी को सूचित करें। उन्होंने कहा कि, सरकार वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर भी उतनी ही संवेदनशील है जितनी कि नागरिकों की।

# संघर्ष में साहस, जद्दो जहद, दुनिया में इस्लाम के लिए लव जिहाद

माही की गूंज, झाबुआ।

इस्लाम का तो जन्म भी नहीं हुआ था उसके पहले करीब दो हजार वर्ष पूर्व चीन के रणनीतिकार सून त्जू ने बहुत ही सटीक बात कही थी। सून त्जू के अनुसार यदि आप अपने शत्रु और स्वयं की क्षमताओं से भलीभांति परिचित हैं तो आपको किसी भी लड़ाई के परिणाम की चिंता की आवश्यकता नहीं है। अगर आपको अपनी क्षमताओं का पता है और शत्रु पक्ष की शक्ति का अंदाजा नहीं है तो प्रत्येक जीत या सफलता की स्थिति में आप पराजय का अनुभव करेंगे। और यदि आप न तो अपने शत्रु से परिचित है और न ही स्वयं की क्षमताओं से, तो निश्चित ही आपकी हार पक्की है। भारतवर्ष में बहुत से युद्ध हुए हैं, अनेकानेक राजाओं, महाराजाओं के आपस में युद्ध हुए है। धर्म और अधर्म के लिए भी परस्पर युद्ध किए गए हैं, वर्तमान में भी युद्ध की स्थितियां बरकरार है।

इस्लाम का जन्म लगभग 1400 वर्ष पहले हुआ माना जाता है। इस्लाम को फैलाने के लिए इस्लामी आक्रांताओं ने भारतवर्ष पर हमला किया और लगभग एक हजार वर्ष पहले से ही इस्लामी लोग भारत में इस्लाम को प्रभावी करने के लिए प्रयासरत हैं। लेकिन युद्ध के माध्यम से इस्लामी आक्रांताओं को संतोष जनक सफलता प्राप्त नहीं हो पाई। बहुत से इस्लामिक नवाब तो उत्तर तक ही पहुंच पाए। फिर भारत देश में छत्रपति शिवाजी महाराज ने इस्लामी राजाओं को पछाड़ दिया। इस्लामी आक्रमण में भारत में करोड़ो लोगों ने मृत्यु के भय से इस्लाम कबुल कर मुसलमां हो गए। भारत देश स्वतंत्र हुआ और 21वी सदी तक पहुंच गया लेकिन अपने दीन के प्रभुत्व को बढ़ाने के लिए मुसलमान निरंतर प्रयासरत हैं। जो कट्टरपंथियों की सोच है उसे प्रभावी करते हुए भारत के गांव-गांव में घुसकर कट्टरपंथी मुसलमान जिहाद करने लगे और निरंतर कर ही रहे हैं।

जिहाद का शाब्दिक अर्थ है कोशिश या प्रयास, अब यह प्रयास या कोशिश किसके लिए है, क्या यह कोशिश पुरी दुनिया में इस्लाम को फैलाने की है? चूंकी किसी भी कार्य के लिए प्रयास या कोशिश करना अपने आप में एक संघर्ष है। इसलिए जिहाद एक संघर्षरत प्रयास है। जिहाद इसलिए है क्योंकि सारी धरती अरबी, खुदा, अल्लाह के मजहब इस्लाम की हो जाएं। फिर कट्टरपंथियों ने अपने मनसूबो में सफल होने के लिए बहुत से काम ऐसे भी किए है जिसे करने नहीं चाहिए।

कुरआन की आयत 9:33 के अनुसार मुस्लिमों को इस धरती पर इस्लाम फैलाने का संदेश है भले ही मुशरिको (भारत के संदर्भ में हिंदुओं) को बुरा लगे। अर्थात अपने दीन को दुसरो के धर्म पर प्रभावी करना है, अब चूंकि मुस्लिमों को इस्लाम फैलाना है और अपने दीन को फैलाने के लिए कोशिश करना है उनका यही प्रयास जिहाद है। इसलिए ही कट्टरपंथी मुस्लिम कहते है कि, वे जद्दोज़हद कर रहे हैं। कट्टरपंथियों के अनुसार जिहाद किसी भी प्रकार का हो सकता है, वह किसी भी गैर मुस्लिम की हत्या करके, उनकी जमीन पर कब्जा करके, या फिर लव जिहाद करके अपने उद्देश्य की पूर्ति करना है। कट्टरपंथियों का मकसद होता है कि, दुनिया में ज्यादा से ज्यादा हिस्से पर इस्लाम का कब्जा हो जाए, और ज्यादा से ज्यादा लोगों को अरबी परंपराओं को मानने वाला बनाना है। वो चाहते हैं अधिक से अधिक लोग अरब की दिशा में दिन में 5 बार सर झुकाए, वहीं के गुलाम बनें। जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अल्लाह को एक मात्र सच्चा ईश्वर माने और अरबी पेगम्बर मोहम्मद साहेब को सच्चा मार्गदर्शक या गुरु मानते हुए जन्म से लेकर मृत्यु तक अरबी परंपराओं को फॉलो करते हुए सिर्फ और सिर्फ अरबी भाषा में ही इबादत करे।

इस पूरे क्रम को चलाएमान करने के लिए कट्टरपंथी मुस्लिम सारे जिहाद करते हैं और उनके स्वरुप को बदल कर करते है। कुरआन के अनुसार दीन को दुसरे धर्मों पर प्रभावित करना है परंतु कट्टरपंथी छल, बल, साम, दाम, और भी अन्य तरह से धोखा देकर इस्लाम को फैलाने के मकसद में स्वयं को झोंक देते हैं।

भारतवर्ष में वर्तमान में लव जिहाद के अनेकानेक किस्से मिल ही जाएंगे। जिसमें मुस्लिम युवक धोखे से हिंदु या गैर मुस्लिम युवती को अपने जाल में फंसाता है, फिर गैर मुस्लिम युवती को इस्लाम को मानने के लिए दबाव बनाता है। यदि वह नहीं मानती है तब मुस्लिम युवक उसकी हत्या कर देता है या उसे प्रताड़ित करता है। वर्तमान में इंदौर और भोपाल में भी लव जिहाद करके सैकड़ों हिंदु युवतियों को इस्लाम को मानने के लिए दबाव बनाया गया।

समस्या इतनी नहीं है कि भारत देश में हिंदु युवतियों को मुसलमान युवक इस्लाम कबुल करवा रहे हैं या उन्हें इस्लाम में आने के लिए मजबूर कर रहे हैं। समस्या ज्ञान के अंधकार की है, जागरुकता की है, अज्ञानता को दूर करने की है। इस वाक्य में कितनी पवित्रता है कि पूरी दुनिया को इस्लामिक बनाना है, और दबाव से ही क्युं बनाना है? सत्य, पवित्र, सरल, सहज, निष्कपट से भी तो किसी विचार को प्रभावी बनाया जा सकता है।

रिंकेश बैरागी

भारत को दारुल हर्ब मान कर सारे जिहाद यहीं करने की क्या आवश्यकता है... दारुल हर्ब अर्थात युद्ध का क्षेत्र, और कट्टरपंथियों के अनुसार भारत इसलिए दारुल हर्ब है क्योंकि यहां इस्लाम का राज्य नहीं है... और इस्लामिक पद्धति के अनुरुप युद्ध एक धोखा है, यह प्रसिद्ध हदीस सहीह अल बुखारी, हदीस नंबर 3029 के अनुसार है। हालांकि, जिहाद के लिए कसम तोड़ने की भी हदीस है, जो कि कट्टरपंथी, लव जिहाद में उपयोग करते हैं क्योंकि उनको जन्नत में हुर का लालच दिया जाता है। बहरहाल, लव जिहाद के मामले में हिंदु युवतियों को अपने स्वयं की क्षमताओं को जागृतकर अपने अंदर फैले अज्ञानता के कक्ष में ज्ञान का प्रकाश फैलाने की आवश्यकता है। समाजजनों द्वारा ऐसे सेमिनार भी आयोजित करवाए जाने चाहिए जहां जागरुकता का संदेश सटीक और सुस्पष्टता से दिया जाए। वहीं कट्टरपंथियों को भी जागरुक होने की जरुरत पर कदम बढ़ाना चाहिए। झुठ के रास्ते में शुरुआत में सरलता होगी लेकिन उसके बाद राहों में कठिनाइयां ही होगी। सच्चाई की राह प्रेरणादायक होगी, विवादों से दूर शांति के मार्ग पर लेकर जाएगी।

# बालाजी धाम गड़ावदिया में लग रहा भक्तों का तांता

## दरबार में हो रहा समस्याओं का हल, एक करोड़ की लागत से बन रहा मंदिर और भक्तों के रूकने का स्थान

बालाजी धाम गड़ावदिया की चमत्कारी हनुमानजी की प्रतिमा।

मंगलवार-शनिवार को मंदिर के हवनकुंड में सतत चलती हैं आहुति

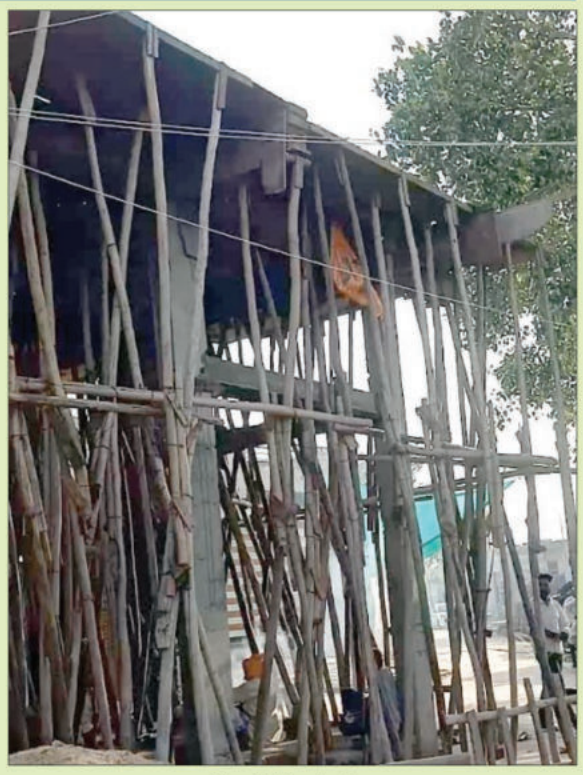

मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर

**माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत**

पेटलावद से लगभग 40 किलोमीटर दूर रतलाम जिले की रावटी तहसील के छोटे से ग्राम गड़ावदिया इन दिनों सुर्खियों में है। यहां स्थिति बालाजी धाम (हनुमान जी मंदिर) की ऐसी कृपा बरसी की दूर-दूर से लोग यहां दर्शन और अपनी बीमारी, समस्याओ, के निराकरण की उम्मीद लेकर पहुँच रहे हैं। विशेष रुप से मंगलवार और शनिवार को यहां दरबार लगता है और पंडित श्रीधर बैरागी दरबार मे दिन दुखियों की समस्याओं को सुनकर उपाय बताते हैं। बताया जा रहा है यहां बालाजी धाम में अर्जी लगाने वाले सभी की सुनवाई बालाजी महाराज करते हैं।

### कम समय मे ही हुआ चमत्कार, प्रदेश सहित आसपास के राज्यों से आने लगे लोग

कुछ समय ही हुआ की गड़ावदिया बालाजी धाम की ऐसी कृपा बरसी की दूर-दूर तक बालाजी धाम के चमत्कार मध्यप्रदेश के कई जिलों सहित सीमावर्ती राज्य गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान तक पहुँच गया और इन राज्यो के भी कई जिलों से भक्त दर्शन के लिये यहाँ आने लगे। पंडित श्रीधर बेरागी द्वारा झाबुआ जिले ग्राम खवासा, थांदला सहित जिला जेल में कथा ओर दरबार के आयोजन किए जा चुके हैं। साथ ही रतलाम जिले ओर गुजरात-महाराष्ट्र में कई स्थानों पर दरबार लग चुके हैं।

### भक्तों की लगती है कतार, भक्तों के जल पान की व्यवस्था की जाती है

बालाजी धाम गड़ावदिया में प्रति मंगलवार और शनिवार बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते है। यहां बालाजी हनुमान जी के दर्शन के साथ पूरे समय हवनकुंड में आहुतियां देने का कार्य चलता रहता है। यहां लगने वाले दरबार मे पहुँचने के लिए लोग एक दिन पहले से नम्बर लगा कर यहां पहुँचते है। दरबार मे पहुँचने के लिए लोगो को घण्टो इंतजार तक करना पड़ता है और सुबह 7 बजे से लेकर देर शाम ओर रात तक भी दरबार लगता है। यहां दरबार मे पारिवारिक समस्याओं से ग्रस्त सहित गम्भीर बीमारियों से ग्रस्त और उपरी हवा के प्रभाव मे आये परेशान लोग भी बड़ी संख्या में पहुँचते है। यहां आने वाले भक्तों के लिए मंदिर प्रबंधन की ओर से निःशुल्क जल पान की व्यवस्था भी की जाति है।

### जन सहयोग से एक करोड़ की लागत से हो रहा मंदिर निर्माण

यहां स्थित हनुमानजी (बालाजी धाम) मंदिर को भव्य बनाने के लिए बड़ी संख्या में भक्तगण सामने आ चुके हैं और लगभग एक करोड़ से ज्यादा की लागत से भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। जहां भक्तों के रुकने की भी व्यवस्था भी होगी। फिलहाल जन सहयोग से मंदिर निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है। आने वाले समय मे भव्य बालाजी धाम बनना है जिसकी तैयारियां भी चल रही है।

# भाजपा मण्डल की कार्यशाला का हुआ आयोजन

**माही की गूंज, पेटलावद।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्ता के 11 वर्ष पूर्ण होने पर मंडल भाजपा पेटलावद द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें पांच बिंदुओं पर शक्ति केंद्र व बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने का मार्गदर्शन वरिष्ठ भाजपा नेता अनोखीलाल मेहता करते हुए कहा की, पर्यावरण सुरक्षा 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पंडित श्याम प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस आपातकाल एवं 2047 तक भारत को विकसित देश बने हेतू संकल्प सिद्धि यह पांच बिंदु पर कार्यकर्ताओं को सबोंधित करते हुए अनोखी लाल मेहता ने कहा देश के पर्यावरण को सुरक्षित करने हेतु 400 करोड़ पौधों की आवश्यकता है। यह कार्य वर्षा काल में हमें अधिक से अधिक पौधे रोपकर करना कराना है। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना कर पूरे देश को अपने परिवार को व स्वयं योग करना व कराना हे। विधानसभा संयोजक हेमंत भट्ट ने संगठन की मंशानुरूपसार पांचों बिन्दु पर विस्तार से बताते हुए कहा की, देश की दशा व दिशा बदल देने वाले यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी कि उपलब्धियाँ को जन-जन तक पहुंचाना है। 2014 के संकल्प से आज तक जो काम सिद्ध किए हैं वो ऐतिहासिक है, राममंदिर बनाना, 370 हटाना, पाकिस्तान को घर में घुसकर निपटाना, विश्व में भारत का गौरव बढ़ाना, साथ ही साथ देश की अर्थव्यवस्था ओर विकास की गति, चिनाब नदी पर विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज का निर्माण से लेकर घर-घर तक आयुष्मान कार्ड गैस सिलेंडर शौचालय किसान सम्मन निधि 80 करोड लोगों को राशन दे देने जैसे कार्य हेतू धन्यवाद भी ज्ञापित करना है। स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष संजय कहार ने दिया। संचालन महामंत्री विपिन शर्मा ने किया। आभार महामंत्री मूलचंद निनामा ने माना। इस अवसर पर जिला पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष सोनू विश्वकर्मा किसान मोर्चा के अध्यक्ष मुकेश परमार अनुसूचित जाति के जिला संयोजन जगदीश जाटव मीडिया प्रभारी जितेंद्र मेहता कार्यालय मंत्री आशीष बाविस्कर सुमन राठौर मंडल कार्यकारिणी के सदस्य आदि उपस्थित रहे।

## तपस्वी श्रीमती चाणोदिया का निधन

**माही की गूंज, बामनिया।**

बुधवार सुबह लोकेंद्र चाणोदिया की माताजी एवं स्वर्गीय रतनलाल चाणोदिया की धर्मपत्नी, धर्मनिष्ठ सुश्राविका सुशीलाबाई चाणोदिया (80) का आकस्मिक निधन हो गया। वर्षीतप आराधिका सुशीलाबाई सरल, व्यवहार कुशल और धार्मिक प्रवृत्ति की थी। प्रतिदिन सामायिक और प्रतिक्रमण करना आपकी दिनचर्या में शामिल था। आप 14 वर्षीतप पूर्ण कर चुकी थी और वर्तमान में आपका 15वां वर्षीतप चल रहा था। मंगलवार को भी आपने उपवास के साथ सामायिक प्रतिक्रमण की आराधना की। बुधवार सुबह करीब 8 बजे अचानक हृदयगति रुक जाने से आपका निधन हो गया। अंतिम यात्रा निज निवास नारेला रोड़ बामनिया से निकली एवं स्थानीय मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार किया गया। जिंसमे ग्राम के नागरिक बडी संख्या में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

# कबीर साहेब की जयंती पर होगें विभिन्न आयोजन

**माही की गूंज, पेटलावद।**

*अखिल भारतीय श्री बलाई महासंघ के तत्वाधान में विश्व सदुरु सम्राट संत शिरोमणि कबीर साहेब की 628वीं जयंती के उपलक्ष्य में पेटलावद नगर के उदय मैरिज गार्डन में आज विभिन्न आयोजन होने जा रहा है।*

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की कैबिनेट मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्रालय के मंत्री नागर सिंह चौहान, रतलाम संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान, भाजपा जिला अध्यक्ष भानु भूरिया, नगर पालिका अध्यक्ष नागदा जंक्शन श्रीमती संतोष ओम प्रकाश गहलोत, पूर्व विधायक आलोट जितेंद्र थावरचंद गहलोत, 108 महंत श्री ईश्वर दासजी साहेब (रामगढ़ बगीचा), महंत श्री हिरादासजी साहेब (कबीर मंदिर, हरथली रतलाम) सहित बलाई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार उपस्थित रहेंगे।

### शोभायात्रा व प्रतिभा सम्मान

आयोजन के तहत नगर के प्रमुख चौराहों से एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बलाई समाज के महिला, पुरुष, बच्चे और वरिष्ठजन उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। शोभायात्रा पुनः उदय मैरिज गार्डन पहुंचेगी, जहां प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन होगा। इस समारोह में समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा, जो समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। अखिल भारतीय श्री बलाई महासंघ ने सभी समाजजनों से इस आयोजन में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

### यह महत्व

यह आयोजन न केवल कबीर साहेब के विचारों और शिक्षाओं को याद करने का अवसर है, बल्कि समाज में एकता, समरसता और प्रतिभा को प्रोत्साहन देने का भी एक मंच है। बलाई समाज के इस कार्यक्रम में सभी समाजजनों की सक्रिय भागीदारी से यह आयोजन ऐतिहासिक और यादगार बनने की उम्मीद है। अखिल भारतीय श्री बलाई महासंघ ने सभी से इस पावन अवसर पर पेटलावद पहुंचकर कबीर जयंती के इस भव्य आयोजन में शामिल होने का आह्वान किया है।

# प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये

**माही की गूंज, पेटलावद।**

एक ऐसे महान आदिवासी योद्धा जिसने 25 वर्ष की आयु में 200 वर्ष के अंग्रेजी हुकूमत को हिला दिया था। जिसने जल, जंगल, जमीन का नारा दिया। जो आगे जाकर धरती आबा (भगवान) कहलाए। देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर आदिवासी नेता एवं जन नायक भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर साई मंदिर के पास स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आकाश चौहान, कैलाश मालीवाड़, जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी, हेमंत भट्ट, मंडल अध्यक्ष संजय कहार, प्रकाश प्रजापत, सारंगी मंडल सुखराम मोरी, प्रकाश मुलेवा, किशोर सोनी, दीपक राठौड़, जीतेन्द्र, कालूसिंह निनामा समस्त टोली के सदस्यगण मौजूद रहे।

# बेरोजगार नहीं करने की घोषणा पर अतिथि विद्वान कुछ दिनो के मेहमान

**माही की गूंज, झाबुआ।**

प्रदेश में ट्रांसफर की अवधि 9 से बढ़ाकर 17 जून भले ही कर दी गई हो, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग में सोमवार से हो रहे सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल और क्रीड़ा अधिकारियों के लगातार स्थानांतरण से अतिथि विद्वानों की रोजी रोटी छीनती जा रही है। जैसे-जैसे नियमित फैकल्टी कार्यभार ग्रहण करेंगी अतिथि विद्वान वैसे-वैसे बाहर होते जाएंगे। वहीं 68 प्रधानमंत्री कॉलेजों में विगत छः माह से 616 प्रोफ़ेसर रिडिप्लायमेंट पर है। उनका स्थानांतरण अतिथि विद्वानों के स्थान पर होगा। वास्तव में अनेकों अतिथि विद्वान उम्र अधिक होने के कारण सहायक प्राध्यापक भर्ती में शामिल नहीं हो सके। वहीं अब रोजगार छीनने की नौबत से इनका परिवार भी दुखद स्थिति में आ गया है। इनको महीनों और सालों तक फॉलेन आउट बना रहना पड़ेगा।

जबकि पिछली शिवराज सरकार में हुई पंचायत में इन्हें अनेकों सौगातें दीं गई थी। उनमें फॉलेन आउट करने की नीति पर ही रोक लगाने की घोषणा हुई थी। हकीकत यह है कि, अब तक पंचायत की कुछ ही घोषणाएं लागू हुई है। सन 2002 से लगातार इनके भविष्य के साथ छल और शोषण होता आया है। परमानेंट प्रोफेसरों द्वारा मनमाने स्थान पाने की जुगत में ईमानदार अतिथि विद्वान दर-दर भटक रहे हैं।

प्रदेश के अनेकों प्रधानमंत्री कॉलेजों में कई विषयों में सालों से पद रिक्त हैं। जिन पर अतिथि विद्वान भी काम नहीं कर रहे हैं। उन पर अब तक स्थानांतरण नहीं किए गए हैं। जिससे बच्चों पढ़ाई भी प्रभावित होती आई है। रिडिप्लायमेंट भी उन्हीं विषयों में ज्यादातर हुए हैं, जिन पर अतिथि विद्वान सेवाएं दे रहे हैं। एकल पद से आए सहायक प्राध्यापकों के रिडिप्लायमेंट भी चल रहे हैं।

मध्य प्रदेश अतिथि विद्वान नियमितीकरण संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह भदौरिया ने इस बारे में कहा कि - समान योग्यता और एक समान कार्य के बावजूद अतिथि विद्वानों का नाममात्र के मानदेय में शोषण हो रहा है। हमारे लिए कुछ ही दिनों में उचित निर्णय नहीं लिया गया तो हम आर पार का आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

संघर्ष मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी शंकरलाल खरवाडिया ने भी इस संबंध में बताया कि - स्थानांतरण से सैकड़ों अतिथि विद्वानों की रोजी-रोटी चली गई है। अधेड़ उम्र में हम कैसे अपने परिवार का पालन पोषण करेंगे। कम से कम हरियाणा माडल पर ही मोहन सरकार हमारा भला कर दें।

संपादकीय

# बेवफाई के सनम

पिछले एक पखवाड़े में इंदौर से विवाह के तुरंत बाद मेघालय हनीमून पर गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम के अचानक लापता होने की गुत्थी ने पूरे देश का ध्यान खींचा। हालांकि, 23 मई को लापता होने के बाद राजा का शव दो जून को बरामद हो गया था, लेकिन सोनम के लापता होने की घटना निरंतर देशवासियों को परेशान करती रही। यहां तक कि मेघालय के लोगों के शेष भारत के लोगों के साथ कथित आक्रामक व्यवहार के नाम पर मेघालय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अतिरंजित टिप्पणियां तक की जाती रहीं। लेकिन मेघालय पुलिस की गहन छानबीन के बाद इंदौर के तीन लोगों की गिरफ्तारी के बाद सोनम का उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस के समक्ष समर्पण करना, इस पूरे कांड की कहानी ही बदल देता है। सवाल उठे कि मेघालय के जिस ईस्ट खासी हिल्स जिले में राजा का शव मिला वहां से एक हजार किलोमीटर से अधिक दूरी पर उ.प्र. के गाजीपुर सोनम कैसे पहुंची। अब इस रहस्यमय मामले पर से मेघालय, उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश की पुलिस पर्दा उठाने की कोशिश में है। इंदौर के राजा दंपति का हनीमून मनाने मेघालय जाना, फिर दोनों का गायब होना, राजा का शव बरामद होना तथा सोनम के लापता होने का घटनाक्रम किसी फिल्मी कहानी की तरह आगे बढ़ता रहा। अब सोनम के परिजन उसे बेगुनाह बताने की कोशिश में हैं तो राजा का परिवार दोषियों को सजा देने की मांग कर रहा है। लेकिन सारे मामले में सोनम की भूमिका, उसके पिता की फर्म के कर्मचारी की गिरफ्तारी तथा सोनम की रहस्यपूर्ण ढंग से गाजीपुर पहुंचने की कहानी कई संदिग्ध सवालों को जन्म दे रही है। लोगों के दिमाग में सवाल हैं कि दोनों परिवारों की सहमति से 11 मई को हुई शादी का यह दुखांत क्यों? हालांकि, राजा की हत्या बहुत ही सुनियोजित तरीके से की गई, लेकिन गाइड द्वारा राजा-सोनम के साथ तीन अन्य लोगों की उपस्थिति की बात ने मेघालय पुलिस को हत्या के तार जोड़ने में मदद की।

दरअसल, शिलांग पुलिस ने बताया था कि इंदौर के एक व्यक्ति की हत्या में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें हनीमून के दौरान हत्या की साजिश रचने वाली उसकी पत्नी भी शामिल है। अब तक रहस्यमय तरीके से लापता बहू के मिलने की प्रतीक्षा कर रहे राजा के परिवार को हकीकत जानकर सदमा लगा है। मेघालय पुलिस के दावे के बाद उन्होंने सोनम की तसवीरें जलाकर गुस्सा जाहिर किया है। सार्वजनिक विमर्श में ये सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब दोनों परिवारों की सहमति से विवाह हुआ तो यह दुखांत क्यों? हाल के दिनों में मेरठ व देश के अन्य भागों में प्रेमी से मिलकर पति की हत्या करने के कई मामलों ने विवाह संस्था पर मंडराते संकट पर चिंता बढ़ाई है। सवाल उठा है कि परिवार की सहमति से धूमधाम से विवाह रचाने वाली सोनम ने आखिर ऐसा घातक कदम क्यों उठाया? जैसा कि बताया जा रहा है कि उसने अपने पुराने प्रेम संबंधों के लिये राजा को अपनी राह से हटाया। उसने खुद ही मेघालय की फ्लाइट बुक की और सुनियोजित तरीके से भारी-भरकम गहनों के साथ कथित हनीमून पर निकली। कभी पति-पत्नी के जिन रिश्तों को जन्म-जन्मांतर का साथ बताया जाता था, उन्हें हाथ की मेहंदी सूखने से पहले कत्ल किया जाना, हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता व अविश्वास को ही उजागर करता है। आखिर क्यों विवाह से पूर्व आरोपी ने घर वालों को दो टूक नहीं कहा कि वह किसी और से प्यार करती है? क्या उसे कथित अपने प्यार को पाने के लिये राजा की जान लेनी जरूरी थी? क्यों अपने व ससुराल पक्ष के लाखों रुपये शादी के नाम पर यूं ही जाया किये? घर में शादी की रौनक के बीच बेटे की लाश के आने का ग़म राजा के परिवार को सालों साल सालता रहेगा। निश्चित रूप से यह घटना करोड़ों रिश्तों में एक हुई है, लेकिन समाज में अविश्वास के बीज बोती तो नजर आती है। लोग ऐसी घटना का उल्लेख करते हुए होने वाले तथा हो चुके रिश्तों को संशय की दृष्टि से देखेंगे। जो किसी स्वस्थ समाज के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं हैं।

# नशे के खिलाफ मुहिम तेज करने की जरूरत

लगता है नशे और अवैध रूप से बनाई गई शराब के खिलाफ़ पंजाब सरकार ने जंग करने का मन बना लिया है। अवैध शराब का इतिहास शायद उतना ही पुराना है जितना कि मानव जाति का क्रमिक विकास। कर्मस्थली के रूप में मेरी पहली पोस्टिंग बतौर एसपी कपूरथला हुई थी। जो उस समय सिर्फ़ छह पुलिस थानों वाला एक छोटा सा जिला था। उस वक्त की कानून-व्यवस्था की समस्याओं में से एक थी नदी के किनारे अवैध शराब उत्पादन। घनी झाड़ियों वाले इलाके में छिपी शराब भट्टियां धड़ल्ले से चलती थीं। खुफिया सूचनाओं के आधार पर, हमने पूरे इलाके में व्यापक संयुक्त छापे मारे, बड़ी संख्या में शराब बनाने वालों को गिरफ़्तार किया और बड़ी मात्रा में 'लाहन' और शराब बनाने वाले कुंड जब्त किए।

आज पचास साल बाद भी, जारी इस लड़ाई के बारे में पढ़ता रहता हूं, हालांकि अब ज़्यादा मैनपॉवर और तकनीक उपलब्ध है। अफीम और भुक्की, जुआ, वेश्यावृत्ति, आदि के खिलाफ भी ऐसे ही अभियान चलाए गए थे। हालांकि, उस समय समस्या का पैमाना आज की तुलना में नाममात्र था। नशीले पदार्थ, विशेषतया रासायनिक किस्म के, इनकी आमद भी नशे की दुनिया में हो गई है और राज्य के साथ-साथ देश भर के सीमावर्ती क्षेत्रों (विशेष रूप से पश्चिमी तट पर, जहां पर भारी मात्रा में जब्तियां की गई हैं) में बड़े-बड़े गिरोह सक्रिय हैं, लेकिन इन नशीले पदार्थों के वास्तविक स्रोत और ठिकाने के बारे में कोई विवरण उपलब्ध नहीं। फिर, मैं एक के बाद एक आई सरकारों के सामाजिक बुराइयों से निबटने के रवैये से भी हैरान हूं। कोई भी देश मानवीय बुराइयों को खत्म नहीं कर पाया है, क्योंकि वे सभ्यता जितनी पुरानी हैं; हालांकि, उन्होंने बेहतर संतुलन बनाने के लिए प्रयास किए।

अमेरिका ने एक सदी पहले शराबबंदी का प्रयोग किया था, लेकिन हश्र अपराध सरगनाओं और अनियंत्रित माफिया के रूप में मिला। अंततः अधिकांश देशों ने अपने-अपने समाज के हिसाब से खोजे विशिष्ट समाधानों के माध्यम से समाज के अपराधीकरण और अनियंत्रित नशा कारोबार को कम-से-कम रखने की कोशिश की है। कुछ ने कम एल्कोहल वाले पेय पदार्थों को बढ़ावा दिया, तो कईयों ने भांग और इसी तरह के हल्के नशीले पदार्थों को वैध बना दिया। हालांकि वे हार्ड ड्रग्स और उनकी बच्चों को आपूर्ति के मामले में काफी सख्त हैं। शराब और ड्रग्स के शरीर एवं दिमाग पर पड़ने वाले असर को समझाने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं।

फिर से अपने गृह राज्य पंजाब की बात करूं तो, 1980 और 1990 के कठिनाई भरे दशकों में पैदा हुई मुसीबतों ने सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को बुरी तरह प्रभावित किया था। आतंकवाद और पाकिस्तान द्वारा छेड़े गए छद्म युद्ध ने राज्य में कहर बरपाया। आईएसआई ने हथियार, गोला-बारूद और प्रशिक्षण की आपूर्ति की। अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ मुजाहिदीनों द्वारा जिस रणनीति में निपुणता पाई थी, उसका इस्तेमाल यहां भी किया गया, साथ ही गोला-बारूद का भी। एके-47 एक खतरनाक हथियार बन गया (अधिकांश पर अफगान मार्का हुआ करता था) और इससे आतंकवादियों की मारक शक्ति बढ़ी। उद्योग-धंधे चौपट हो गए या पलायन कर गए; हत्याओं से परिवार टूट गए; जबरन वसूली एक स्थाई खौफ बन गई। हजारों लोग मारे गए - नागरिकों के अलावा पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान भी। इतने बड़े पैमाने पर पड़े शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक आघातों को दूर करने के लिए कोई बड़ा प्रयास नहीं किया गया।

जीवन के तमाम मापदंडों पर एक पूरा सूबा लगभग तबाह हो गया और इस उथल-पुथल के कारणों और प्रभावों की जांच करने और उपाय सुझाने के लिए एक भी आयोग का गठन नहीं किया गया। लोगों को इससे खुद ही निबटने के लिए छोड़ दिया गया - काफी लोग पलायन कर गए, कुछ ने अपराध करना शुरू कर दिया और गिरोह बना लिए, कईयों ने तस्करी और नशा वितरण शुरू कर दिया। राजनेता एक अंतराल के बाद सत्ता में लौटे, पर इससे समाज का और ज्यादा अपराधीकरण ही हुआ... क्यों? होना तो यह चाहिए था कि इस उद्देश्य के लिए प्रख्यात न्यायविदों, समाजशास्त्रियों और प्रशासकों की अध्यक्षता में एक जांच पैनल गठित किया जाता। राज्य, इसके संस्थानों, इसके लोगों को हुए नुकसानों की जांच करने और एक उचित पुनर्वास योजना बनाने के साथ-साथ वित्तीय और रोजगार पैकेज के वास्ते एक अलग आयोग का गठन किया जाना चाहिए था।

पंजाब में दो दशकों तक जो कुछ हुआ, वह पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित एक अघोषित युद्ध था। क्या उसे ऐसा मानकर ही बर्ताव किया गया? आतंकवाद को कुचलने की मुहिम के केवल पहले हिस्से के लिए ही पूरी सहायता प्रदान की गई। इसके बाद के परिणामों से निपटने वाले द्वितीय भाग में, पंजाब को कुदरत के रहम पर छोड़ दिया गया। मैं बताना चाहूंगा कि यह पंजाब पुलिस ही थी, जो पंजाब के नागरिक समाज के साथ मिलकर इस लड़ाई की अगुआई कर रही थी और जिसने इसका खमियाजा भुगता।

किसी क्षेत्र के आर्थिक रूप से समृद्ध होने के लिए सबसे जरूरी है व्यापार करने की क्षमता। पंजाब चारों ओर से जमीन से घिरा भूभाग है। ऐतिहासिक रूप से, यह क्षेत्र सिल्क रोड के जरिए मध्य एशिया, अफगानिस्तान और उससे आगे तक व्यापार करता था, जिसमें खैबर दर्रा एक प्रमुख संपर्क मार्ग था। अंग्रेजों के आने और उसके बाद के विभाजन के असर से हमारे लिए इस मार्ग का फायदा बंद हो गया। आज भी, यह विकल्प उपलब्ध नहीं है। वास्तव में, इसे खोलने के कुछ कमजोर प्रयासों के बावजूद कई दशकों से यह बंद है। माल ढुलाई समानीकरण योजना को वापस लिए जाने के साथ, दक्षिणी और पश्चिमी भारत के बंदरगाह अब अधिकांश उत्पादों के लिए व्यवहार्य नहीं रहे। नतीजतन, मंडी गोबिंदगढ़, खन्ना, लुधियाना आदि के कारखाने अपने पुराने वैभव की एक धुंधली झलकभर हैं। हमारे पास कोई उल्लेखनीय हवाई संपर्क नहीं है, भले ही यह राज्य सबसे ज्यादा प्रवासी भारतीय वाले प्रांतों में एक है। तो, हम कहां और कैसे व्यापार करें... इसको यकीनी बनाने में राज्य और केंद्र सरकार की भूमिका कहां है?

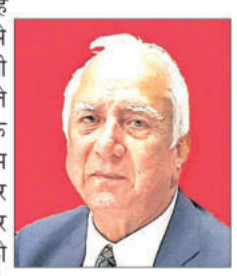

गुरबचन जगत

अवैध शराब और नशे के खिलाफ युद्ध के मुद्दे पर वापस आते हुए, इस समस्या को मुख्य रूप से कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर लड़ा जा रहा है और इससे निबटने के लिए नियुक्त एजेंसी पुलिस है। जहां तक मुझे पता है, समस्या की जड़ में जाने के लिए राज्य स्तर पर कोई सूचीबद्ध अध्ययन नहीं करवाया गया दृ सामाजिक एवं आर्थिक ताकतों और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से जुड़े कारकों पर। साथ ही राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक गिरोहों की भूमिका, विभिन्न राज्य एजेंसियों की भूमिका और हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली की समझौताकारी प्रकृति पर भी। इसके लिए हमें शीर्ष स्तर के समाजशास्त्रियों, मनोचिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और मादक पदार्थों से निबटने वाली एजेंसियों को शामिल करना चाहिए। हमें इस व्यापार के स्रोत, देशभर में इसके फैले जाल और राजनेताओं, पुलिस और ड्रग आपूर्ति गिरोहों के बीच सांठगांठ का पता लगाने के लिए अपनी आंतरिक और बाहरी, दोनों, खुफिया एजेंसियों की विशिष्ट इकाइयों को भी साथ लेना चाहिये।

यह एक व्यापक पहलू वाला सुझाव है, लेकिन यदि सरकार की मंशा हो, तो समस्या का अध्ययन करने तथा समाधान सुझाने के वास्ते एक कार्यात्मक छोटे समूह या समूहों का गठन किया जा सकता है।

# नोट और वोट के धंधेबाज न आए बाज

दोस्ती, दुश्मनी परमानेंट न होतीं, डालर परमानेंट है। ट्रंप और एलन मस्क दोस्त थे, अब दोस्त नहीं हैं। फिर दोस्त न होंगे, कोई नहीं कह सकता। न दोस्ती परमानेंट है न दुश्मनी। परमानेंट सिर्फ अपने हित हैं, परमानेंट तो सिर्फ डालर हैं।

मस्क ने कहा कि उनकी वजह से ही ट्रंप जीते। ट्रंप ने कहा कि ट्रंप के कारोबारी हितों को चोट पहुंची है, इसलिए मस्क नाराज हुए हैं। धंधे पर लात पड़ती है, तो बंदा नाराज होगा। ट्रंप का धंधा पॉलिटिक्स है, मस्क कुछ ऐसा कर रहे थे, जिससे ट्रंप के धंधे को चोट पहुंच रही थी। मस्क ने कहा कि छंटनी करो, लागत कम करो। इस तरह की बातों से वोट कम होते हैं, वोट भी एक किस्म का मुनाफा है। नार्मल कारोबारी धंधा करता है, नोट के लिए। बड़ा कारोबारी धंधा करता है, नोट और वोट के लिए। ट्रंप बड़े कारोबारी हैं, वोट भी चाहिए उन्हें, नोट भी चाहिए उन्हें।

ट्रंप एपार्टमेंट भी बेचते हैं और वादे भी बेचते हैं। वादों से वोट और नोट न भी आयें, तो एपार्टमेंट से तो नोट आते ही रहते हैं। नोट आते रहें, तो वोट लेना आसान हो जाता है। मस्क मूलतः नोट के धंधे में हैं। कई नोटधारियों को शौक होता है कि वह वोट वालों के करीब हो जाते हैं। अधिकांश मामलों में कारोबारी को घाटा हो जाता है, वोट वालों से जुड़कर। नोट वाला वोट वाले से जुड़ता है, तो नोट गंवाकर लौटता है। वोट वाले को कोई खास फर्क न पड़ता, कोई और नोट वाला उसके पास आ जाता है।

पॉलिटिक्स हरेक के बस की नहीं है। पॉलिटिक्स में झूठ बोलना कंपलसरी है। विशुद्ध धंधे में लगातार झूठ नहीं बोला जा सकता। पॉलिटिक्स में झूठ बोलकर, वादे तोड़कर भी नेता पॉलिटिक्स में बना रहता है। कारोबार में कोई भी कारोबारी लगातार लंबे समय तक झूठ बोलकर, वादे तोड़कर बड़ा तो दूर, छोटा कारोबार भी नहीं कर सकता। कारोबार में लगातार झूठ नहीं चल सकता।

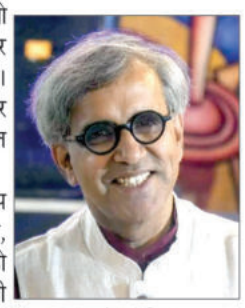

आलोक पुराणिक

मस्क और ट्रंप कुछ लड़ेंगे, झगड़ेंगे, जिस दिन दोनों को लगेगा कि अब दोस्ती में बेहतरी है, तो उस दिन दोस्त हो जायेंगे। दोनों ही धंधेबाज हैं। ट्रंप ज्यादा बड़े वाले हैं। पर अबकी बार ट्रंप कुछ फंसे हुए लगते हैं। ट्रंप ने कहा था कि उनके राष्ट्रपति बनते ही तमाम युद्ध बंद हो जायेंगे। पर कोई युद्ध बंद नहीं हुआ। अब तक ट्रंप की उपलब्धियों में सिर्फ एक महंगी गिफ्ट है, जो कतर सरकार ने उन्हें दी है। पर गिफ्ट से अमेरिका को कामयाब नहीं माना जा सकता।

ट्रंप के कार्यकाल में हुआ यह है कि जो देश थोड़ी बहुत अमेरिका की सुन लिया करते थे, अब वो भी नहीं सुन रहे हैं। अमेरिका का नुकसान है, ट्रंप का फायदा है।

# जैविक युद्ध का मौन हथियार बन सकता है फंगस

फंगस केवल फसलों का ही दुश्मन नहीं, वह इंसानों की जान के लिए भी ख़तरनाक है। एक साइंस जर्नल के मुताबिक, फंगस कृषि आतंकवाद का ख़तरनाक हथियार हो सकता है। फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम नामक एक फंगस विभिन्न अनाजों के विकास को प्रभावित करता है। इससे उपज भी कम हो जाती है। संक्रमित करने के बाद यह फंगस फसल के परिपक्व होने के साथ फैलता जाता है। फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम छोटे अनाज के पौधों के तने और जड़ों के ऊतकों, अवशेषों में जीवित रहने और नये पौधों को संक्रमित करने के लिए जाना जाता है। यह माइकोटाक्सिन पैदा करता है जिसका सेवन हानिकर होता है।

बीते दिनों अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई ने मिशिगन यूनिवर्सिटी में शोधरत चीनी शोध वैज्ञानिक युनकिंग जियांग को गिरफ्तार किया जो अमेरिका में ख़तरनाक जैविक फंगस फ्यूजेरियम ग्रेमिनिअरम लेकर आई। वैसे फंगस विभिन्न तरह के रोग जैसे हेड ब्लाइट, रूट रौट व सीडलिंग ब्लाइट पैदा करता है। इसकी अधिकांश प्रजातियां मृदाकवक हैं। जबकि फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम फंगस गेहूं, धान, मक्का और जौ में हेड ब्लाइट रोग फैलाता है। इससे मुख्यतः वोमिटोक्सिन पदार्थ पैदा होता है जो अनाज दूषित करता है। इससे निकले विषाक्त द्रव्य से हर साल अरबों डॉलर की फसल बर्बाद होती है व उपज कम होती है।

गौरतलब है कि एफबीआई ने पिछले साल जुलाई में चीनी शोध वैज्ञानिक जियान के ब्वायफ्रैंड लियू को उसके बैग में मिले लाल पौधे के पदार्थ के बारे में गोलमोल जवाब देने के बाद डेट्रायट हवाई अड्डे से वापस चीन भेज दिया था। लियू के मुताबिक, उसकी योजना मिशिगन यूनिवर्सिटी की लैब में अनुसंधान के लिए इस सामग्री का उपयोग करने की थी। इसके बाद उसने अपनी गर्लफ्रैंड जियान के जरिये छिपाकर इस ख़तरनाक फंगस को मिशिगन यूनिवर्सिटी की लैब तक पहुंचाया। लियू पहले इस लैब में काम करता था। फिलहाल वह चीनी यूनिवर्सिटी में कार्यरत हैं। एफबीआई निदेशक ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा है कि चीन अमेरिकी संस्थानों में घुसपैठ की साज़िश कर रहा है ताकि खाद्य सुरक्षा तंत्र के जरिये बड़ी आबादी को नुक़सान पहुंचाया जा सके। इस स्ट्रेन के अनधिकृत आयात से अधिक आक्रामक या कीटनाशक प्रतिरोधी वैरिएंट आने का खतरा बढ़ जाता है। इसके कारण नियंत्रण के उपाय कम प्रभावी होते हैं।

यह खतरनाक फंगस भारत में भी पाया जाता है। अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी आफ मेडिसिन की 2022 की रिपोर्ट की मानें तो उत्तर भारत में गेहूं की फसल में कई बार हेड ब्लास्ट के लक्षण देखे गये। हालांकि हर बार उस पर नियंत्रण पा लिया गया। इसके यहां सक्रिय होने के पीछे जलवायु परिवर्तन अहम कारण है। गेहूं की फसल के लिए इसे बड़ा खतरा माना जाता है। आईसीएआर के 2021 में हिमाचल और तमिलनाडु में किए व्यापक रोग-सर्वेक्षण में इस फंगस के बारे में खुलासा हुआ था। इससे गेहूं के दाने में हेड ब्लाइट या स्टैंड की समस्या हुई थी। यही नहीं 2021 और 2022 के बीच रबी सीजन में कर्नाटक कृषि विवि द्वारा किए एक सर्वे में कर्नाटक में हेड ब्लाइट की समस्या देखी गयी।

असल में अमेरिका में चीनी वैज्ञानिक द्वारा फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम की तस्करी की घटना ने जहां वैश्विक कृषि सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं चेतावनी भी दी है कि इस तरह मिट्टी, बीज और फसलें भी आतंकवाद के हथियार बन सकते हैं। फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम फंगस अनाज को सड़ा भी सकता है जिससे इंसान व मवेशियों की जान के लाले पड़ सकते हैं। बेहद सूक्ष्म होने के चलते यह आसानी से पकड़ में नहीं आता और हवा, मिट्टी और बीज के जरिये अपना विस्तार करता है। इसके शुरुआत में लक्षण फसली रोग जैसे होते हैं। इंसानों में जब तक इसका पता चलता है तब तक बहुत देर हो जाती है। यह जैविक युद्ध का मौन हथियार साबित हो सकता है। वैज्ञानिक इसे 'एग्रो टैररिज्म ' बता रहे हैं। फसलों को बर्बाद करने की खातिर जैविक एजेंट का इस्तेमाल कृषि आतंकवाद कहलाता है। जिसका मकसद अर्थव्यवस्था बर्बाद करना और समाज में भय-बिखराव का माहौल बनाना है।

भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान लगभग 17 फीसदी से ज्यादा है और आधी से ज्यादा आबादी खेती से जुड़ी है, इसलिए भारत भी चीन के निशाने पर है। पंजाब, राजस्थान और हिमाचल राज्य चीन और पाकिस्तान से सटे हुए हैं और दोनों ही देश दुश्मन देश हैं। अब बांग्लादेश भी चीन-पाक की राह पर है।

ज्ञानेन्द्र रावत

गौरतलब है कि 2016 में बांग्लादेश से ही भेजे गये जहरीले फंगस मैग्नपार्थ ओराइजा पाथोटायप ट्रिटिकम ने पश्चिम बंगाल के दो जिलों में तबाही मचाई थी। इस फंगस का जहर काफी ख़तरनाक है। यह मनुष्य के शरीर में दूषित भोजन (रोटी, अनाज, पास्ता, बीयर) से या प्रसंस्करण के दौरान, दूषित अनाज से धूल को सांस के माध्यम से त्वचा के संपर्क से प्रवेश करता है। मुख्यतः जठरांत्र और प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है। इसके शिकार शिशु, बच्चे और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग होते हैं। इसके असर से इंसान को उल्टी, दस्त, बुखार, हार्मोनल असंतुलन, प्रजनन संकट, त्वचा में जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं पशुओं का विकास बाधित हो सकता है।

भारत में कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि विश्वविद्यालयों में फफूंदरोधी गेहूं की उन्नत किस्मों पर अध्ययन जारी है,रोग प्रतिरोधक बीजों का ट्रायल किया जा रहा है लेकिन इसके साथ-साथ जैविक सुरक्षा मानकों व दिशा-निर्देशों को सख्त बनाना, अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं से निरंतर सहयोग-परामर्श, मौसम पूर्वानुमान प्रणाली और फफूंद का निगरानी तंत्र विकसित किया जाना बेहद ज़रूरी है तभी कुछ सीमा तक इस पर नियंत्रण संभव है।

# 1466 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा नया इंडस्ट्रियल हब

माही की गूंज, रतलाम।

मध्यप्रदेश सरकार अब औद्योगिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। इस बार सरकार की नजर रतलाम जिले पर है, जहां राज्य का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की योजना बनाई जा रही है।

यह न सिर्फ स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा बल्कि हजारों लोगों को रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगा। इसके साथ ही, इस क्षेत्र में प्रॉपर्टी की कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

### दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर विकसित होगा नया औद्योगिक निवेश केंद्र

राज्य सरकार ने रतलाम में प्रस्तावित इस औद्योगिक क्षेत्र को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पास विकसित करने का निर्णय लिया है। यह स्थान रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दोनों महानगरों दिल्ली और मुंबई के बीचोंबीच स्थित है। एक्सप्रेसवे से जुड़ाव के कारण परिवहन की सुविधा सहज होगी, जिससे निवेशकों को सस्ता और त्वरित लॉजिस्टिक्स सपोर्ट मिलेगा। वर्तमान में यहां पर करोड़ों रुपये की लागत से आधारभूत संरचनाओं के विकास का कार्य शुरू हो चुका है, जिसमें सड़क, बिजली, जल आपूर्ति और अन्य सुविधाएं शामिल हैं।

### 1466 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा नया इंडस्ट्रियल हब

रतलाम जिले में विकसित होने वाला यह औद्योगिक क्षेत्र लगभग 1466 हेक्टेयर भूमि पर फैला होगा। इस परियोजना को मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। इस भूमि पर सोलर एनर्जी, फार्मास्युटिकल, लॉजिस्टिक्स और ऑटोमोबाइल जैसे सेक्टरों के लिए विशेष इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। इससे रतलाम को एक बहुआयामी औद्योगिक हब के रूप में उभरने का अवसर मिलेगा।

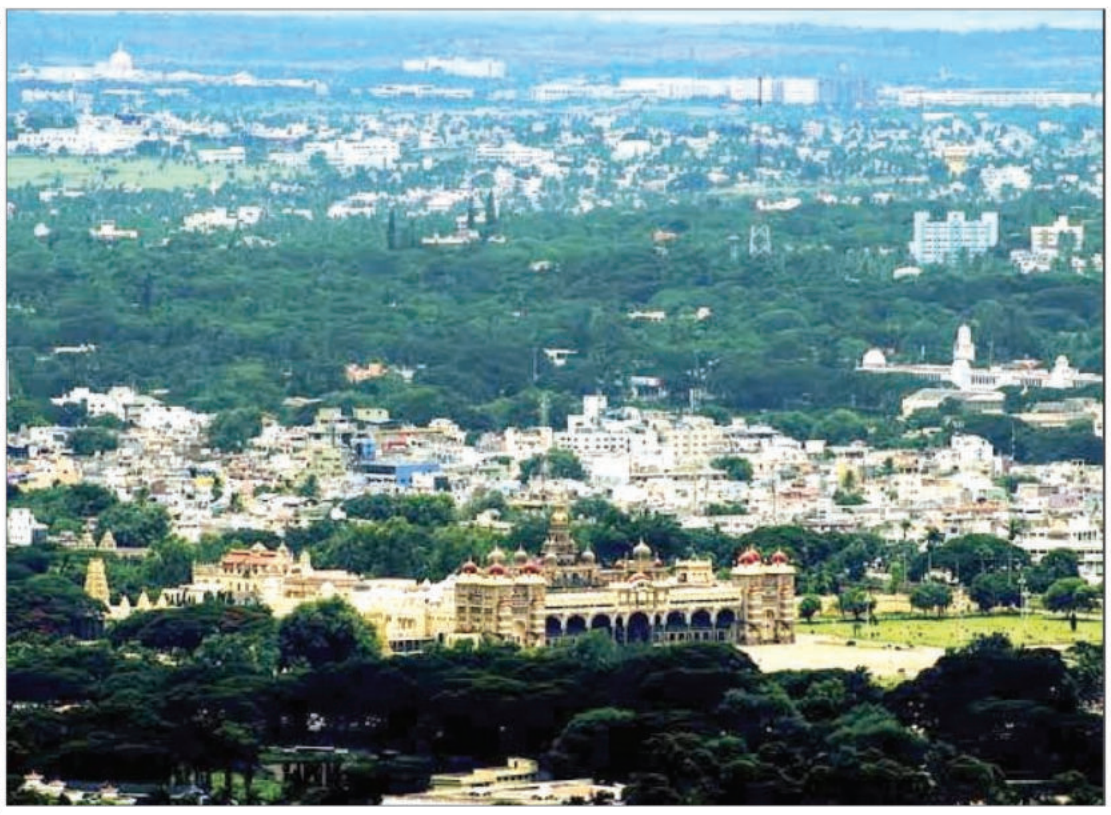

### आधुनिक इंफ्रास्ट्रचर से निवेशकों को मिलेगा लाभ

औद्योगिक क्षेत्र के भीतर फोरलेन सड़कों का निर्माण, ब्रिज निर्माण, पाइपलाइन नेटवर्क और बिजली आपूर्ति की उन्नत व्यवस्था जैसे कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए सरकार ने करोड़ों रुपये की लागत को मंजूरी दी है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर भविष्य के उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह सक्षम होगा। बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधा संपन्न आधारभूत ढांचा देश-विदेश के निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित करेगा।

इस विशाल परियोजना के माध्यम से रतलाम को एक मल्टी-स्पेशलिटी इंडस्ट्रियल ज़ोन में परिवर्तित करने का लक्ष्य है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की मध्यवर्ती स्थिति रतलाम को लॉजिस्टिक्स हब के रूप में भी स्थापित कर सकती है। इसके अलावा, क्लीन एनर्जी की दिशा में राज्य सरकार की रुचि को देखते हुए यहां सोलर प्रोजेक्ट्स और ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स की स्थापना की भी संभावनाएं प्रबल हैं। फार्मा उद्योग के लिए भी यह क्षेत्र अनुकूल है क्योंकि इसके पास श्रमिक बल, भूमि और लोकेशन की दृष्टि से अनुकूल परिस्थितियां मौजूद हैं।

## नाबालिग से निकाह का दबाव बनाने पर तलाकशुदा महिला गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

हाट की चौकी क्षेत्र में एक व्यक्ति ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई कि उसके नाबालिग बेटे का मोहल्ले में रहने वाली तलाकशुदा महिला एक साल से शोषण कर रही है। नाबालिग दसवीं कक्षा का छात्र है। पीड़ित पिता ने पुलिस को बताया कि महिला पूर्व में दो बार विवाह कर चुकी है।

### जबरन घर बुलाकर निकाह करने का दबाव

वह एक साल से उसके बेटे को बार-बार घर बुलाती थी। जब उससे इस बारे में पूछा गया, तो उसने बताया कि वह छोटे-मोटे काम के लिए बुलाती है। सोमवार को बेटे ने स्वजन को बताया कि महिला उसे डरा-धमका कर जबरन अपने घर बुलाकर निकाह करने का दबाव बना रही है।

### निकाह नहीं करने पर जान से मारने की धमकी

साथ ही नाबालिग ने बताया कि मना करने पर जान से मारने की धमकी देती है। परिजन ने जब महिला को समझाने की कोशिश की, तो वह सोमवार रात करीब 10:30 बजे उनके घर पहुंची और कहने लगी कि वह नाबालिग से ही निकाह करेगी, नहीं तो वहां से नहीं जाएगी। इस पर स्वजन ने पुलिस को सूचना दी।

### महिला गई जेल

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महिला के घर पहुंची और उसे थाने ले गई। चौकी प्रभारी मुकेश सस्तीया ने बताया कि महिला के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर मंगलवार को न्यायालय में पेश किया गया, जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

## 10 साल पहले अस्पताल में हुई थी भाभी की मौत, अब 'आत्मा' लेने पहुंचा परिवार

माही की गूंज, मंदसौर।

जिला अस्पताल में अंधविश्वास से जुड़ी घटनाएं बढ़ रही हैं। लोग यहां आकर पूजा-पाठ करते हैं और अस्पताल में मृत स्वजन की आत्मा ले जाने का दावा करते हैं। सोमवार को नारायणगढ़ का परिवार जिला अस्पताल में 10 साल पहले हुई भाभी की मौत के बाद आत्मा लेने आया। अस्पताल परिसर में मुख्य द्वार पर काफी देर तक पूजा-पाठ करते रहे पर किसी भी कर्मचारी ने रोक-टोक नहीं की। नारायणगढ़ निवासी गोपाल व कारूलाल भास्कर ने बताया कि 10 साल पहले जिला अस्पताल में हमारी भाभी गुड्डीबाई की मौत हो गई थी। तभी से घर में कुछ न कुछ परेशानी चलती ही रहती है। बाद में भाई की भी मृत्यु हो गई। तब किसी ने कहा कि भाभी की आत्मा अस्पताल में ही है, उसे घर लेकर आओ। इसलिए अब जिला अस्पताल में विधि-विधान से पूजा पाठ कर ले जा रहे हैं। हालांकि इस दौरान अस्पताल प्रशासन ने उन्हें रोका भी नहीं। सीएमएचओ डा. जीएस चौहान ने कहा कि इस तरह के घटनाक्रम रोकने के लिए सुरक्षा गार्डों को निर्देश दे रखे हैं।

## खरीफ फसलों की बुवाई रेज्डबेड पद्धति से करने की सलाह

माही की गूंज, शाजापुर।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत शाजापुर विकासखड में पिछले 13 दिनों से केन्द्र की टीम द्वारा 40 गांवो में कृषक गोष्ठियों का आयोजन किया गया है। इस दौरान किसानों को खरीफ पूर्व उन्नत कृषि तकनीक की तकनीकों, प्राकृतिक खेती, उन्नत कृषि यंत्रों क उपयोग, फसल विविधीकरण एवं कृषि योजनाओ की की जानकारी दी जा रही। अभियान में कृषि, आत्मा परियोजना, पशुपालन, उद्यानिकी और मत्स्य विभाग के अधिकारी भी शामिल हैं व विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

अभियान के दौरान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ एस.एस. धाकड द्वारा बताया गया है कि रेज्डबेड पद्धति से बुआई करने पर वर्षा की अनियमित स्थिति जैसें- कम एवं अधिक वर्षा दोनो ही स्थिति में सोयाबीन का उत्पादन 25 प्रतिशत से अधिक मिल रहा है। केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ धाकड ने बताया कि रेज्डबेड पद्धति से बुआई करने से फसल की दो लाईनों के बीच एक गहरी नाली बन जाती है। प्रत्येक रेज्डबेड में सोयाबीन की दो कतारों में बुआई की जाती है। अल्पवर्षा की स्थिति में किसान नालियों को मेड से बंद कर नालियों में पानी जमा करा सकते है साथ ही इस विधि द्वारा मृदा नमी का संरक्षण भी होता है और अतिवृष्टि की स्थिति में नाली का पानी आसानी से खेत से बाहर निकाल सकते है। इससे पौधे को पर्याप्त मात्रा मे आक्सीजन और नाईट्रोजन मिल जाती है। मेढ़ से मेढ़ की दूरी पर्याप्त होने से पौधो की कैनोपी को सूर्य की किरणे अधिक से अधिक मिलती है जिससे पौधें स्वस्थ रहते है कृषि विज्ञान केन्द्र, शाजापुर के प्रक्षेत्र परिक्षण के परिणाम बताते है कि रेज्डबेड पद्धति से अधिक वर्षा की स्थिति एंव अल्पवर्षा की स्थिति में भी सोयाबीन का उत्पादन 25 प्रतिशत से अधिक पाया गया है।

कृषि वैज्ञानिक डॉ एस.एस. धाकड ने किसान भाईयों को यह भी सलाह दी है कि सोयाबीन की फसल के लिए कृषको के पास जहां पर रेज्डबेड प्लाटर की उपलब्धता नही है, वहां पर एक साधारण सीड कम फर्टीलाईजर ड्रील को हम बीवीएफ मशीन में परिवर्तित कर सकते है, सीड कम फर्टीलाईजर ड्रील की दोनों और की आखरी टाइन्स हटाकर उसमें रीजर लगाया जाता है तथा सीड कम फर्टी ड्रील के टाइन्स और रिज फरो के गहराई में 4 इंच का अंतर रहता है जिससे रीजर जो कि मशीन के दोनों और लगे है उनसे एक 3-4 इंच गहरी नाली बन जाती है, जिससे पानी की निकासी सरलता एवं सुगमता से संभव हो सकेगी।

कृषि वैज्ञानिक डॉ एस.एस. धाकड ने किसान भाईयों को यह भी सलाह दी है कि सोयाबीन की फसल के लिए कृषको के पास जहा पर रेज्डबेड प्लाटर एवं बीवीएफ मशीन की उपलब्धता नही है वहा पर कृषक भाई खेतो की स्थिति अनुसार वर्षा जल के सुरक्षित जल निकास हेतु मेड नाली पद्धति से बुवाई कर बुवाई के तुरंत बाद ट्रेक्टर चलित नाली बनाने वाले यंत्र डीचर से नाली बनाये। जिससे सुरक्षित जल निकास हो सके।

कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख डॉ. जी.आर. अम्बावतिया ने किसान भाईयों को यह भी सलाह है कि किसान भाई कृषि आदान की व्यवस्था मौसम एवं भूमि की उपयुक्ता के अनुसार करे। साथ ही उन्होंने कहा कि फसल विविधिकरण जैसे- मूंग उडद, अरहर, ज्वार, मक्का, आदि फसलों को भी लगाए। किसान भाई 15 जुलाई तक कम उम्र की फसल जैसे- उर्द, मूंग बुबाई करे। सोयाबीन की दो से तीन मध्यम उम्र की अनुशंसित किस्मों को अधिक क्षेत्र में लगाए। सामान्य मानसून (15 जून) की अवस्था में (25 जून से 07 जुलाई) के बीच में पर्याप्त नमी 4'' की अवस्था में बोनी करें। कतार से कतार की दूरी 35 से 45 से.मी. रखे। बीजोपचार के लिए अनुशंसित फफूंद नाशक, कीटनाशक एवं जीवाणु नाशक का प्रयोग करें।

# मशहूर साहित्यकार प्रो. अजहर हाशमी का निधन

माही की गूंज, रतलाम।

**शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, साहित्यकार, चिंतक, कवि और व्यंग्यकार प्रो. अजहर हाशमी का मंगलवार शाम 6 बजे निधन हो गया। वे 75 वर्ष के थे और पिछले एक वर्ष से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही रतलाम सहित प्रदेशभर के साहित्यिक जगत में शोक की लहर फैल गई। उनका शव दर्शनार्थ रखा गया, जिसके बाद अंतिम संस्कार के लिए शव को राजस्थान के झालावाड़ जिले के ग्राम पिड़वा ले जाया गया।**

### बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे हाशमी

प्रो. हाशमी न केवल एक शिक्षाविद् रहे, बल्कि एक श्रेष्ठ कवि, चिंतक, लेखक और बेबाक वक्ता के रूप में भी पहचाने जाते थे। वे हर विषय पर खुलकर विचार रखते थे और अपने स्नेहिल व्यवहार से सभी के दिलों में जगह बनाए हुए थे। उनके छात्र उन्हें 'गुरु' से अधिक 'मार्गदर्शक' और 'सखा' मानते थे। वे अनुशासन, आत्मीयता और विचारशीलता के त्रिवेणी संगम माने जाते थे।

### सम्मान और पहचान

हाशमी को उनके साहित्यिक योगदान के लिए कई राष्ट्रीय और प्रादेशिक सम्मान प्राप्त हुए। उनकी चर्चित पुस्तक 'संस्मरण का संदूक समीक्षा के सिक्के' को 2021 में मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी और संस्कृति परिषद की ओर से अखिल भारतीय राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था।

उनकी एक और रचना 'बेटियां पावन दुआएं हैं' को 2011 में मध्यप्रदेश सरकार ने 'बेटी बचाओ अभियान' का हिस्सा बनाया था, जिसे बाद में एमपी बोर्ड की कक्षा 10वीं की पाठ्यपुस्तक में भी शामिल किया गया। उनकी कविता 'मुझको राम वाला प्यारा हिंदुस्तान चाहिए' भी व्यापक रूप से लोकप्रिय रही।

### कवि व विचारक के रूप में अद्वितीय योगदान

प्रो. हाशमी का साहित्य सृजन न केवल कविताओं तक सीमित रहा, बल्कि उन्होंने संस्मरण, जीवनवृत्त, समीक्षा और व्यंग्य जैसे विविध विधाओं में भी कलम चलाई। वे साहित्यिक आयोजनों की आत्मा रहे और मंचों पर अपनी बेबाक उपस्थिति से विचारों की नई दिशा देने वाले व्यक्तित्व के रूप में पहचाने जाते थे।

देश के कई प्रमुख मंचों और दूरदर्शन पर उनकी रचनाएं पढ़ी और प्रसारित होती रहीं। वे अनेक पीढ़ियों के रचनाकारों के साथ मंच साझा करते रहे। उनका सान्निध्य मिलना जितना सहज था, उनकी गहराई तक पहुंच पाना उतना ही कठिन।

### समान दृष्टि और सृजनशीलता का उदाहरण

हाशमी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी समान दृष्टि थी। वे अपने अग्रज कवियों जैसे गिरिजाकुमार माथुर और शिवमंगल सिंह सुमन के बारे में जितनी गहराई से बात करते, उतनी ही आत्मीयता से विद्यार्थियों और समकालीन लेखकों के साथ संवाद करते। वे अपने विद्यार्थियों से विशेष स्नेह रखते थे। किताबों और अखबारों के बीच बैठना, साहित्य पर चर्चा करना और पीढ़ियों को जोड़ना उनका स्वाभाव था।

### एक अपूरणीय क्षति

उनकी विदाई केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि एक युग की विदाई है। उनके जाने से साहित्य की वह रोशनी बुझी है, जो अनेक विचारों, संवेदनाओं और भावनाओं को प्रकाशित करती थी। उनके शब्दों का अनुशासन, उनकी शैली, और उनकी उपस्थिति सदैव साहित्यिक संसार में जीवित रहेगी।

प्रो. हाशमी का जाना रतलाम ही नहीं, पूरे हिंदी साहित्य जगत के लिए एक ऐसी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया दुःख व्यक्त

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने शोक संदेश में कहा कि साहित्य की विभिन्न विधाओं में प्रो. हाशमी ने निरंतर कार्य किया। वे विभिन्न धर्म ग्रंथों के अध्ययन में भी रुचि रखते थे। उनके निधन से मध्यप्रदेश ने एक शीर्ष और प्रतिष्ठित साहित्यकार खो दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रो. हाशमी की आत्मा की शांति और उनके शोकाकुल परिजन को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

# राष्ट्रपति के आगमन को लेकर होटल, लॉज में होगी चेकिंग

**माही की गूंज, बड़वानी।**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 19 जून को बड़वानी में सिकल सेल दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगी। उच्च श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त राष्ट्रपति के आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर ने सभी थाना प्रभारियों को विशेष निर्देश दिए हैं। सभी थाना क्षेत्रों में दिन-रात गश्त की जाएगी। होटल, लॉज, ढाबे और धर्मशालाओं की जांच की जाएगी। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की तलाशी ली जाएगी। बिना पंजीयन नंबर वाले तथा अन्य जिलों के वाहनों की भी गहन जांच की जाएगी। किरायेदारों और हाल ही में आए व्यक्तियों पर विशेष नजर रखी जाएगी। प्रमुख अतिथि सुरक्षा के सभी नियमों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है। यदि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो निकटतम थाने में या डायल-100 पर सूचना दें।

सिकल सेल एक आनुवंशिक रक्त विकार है, जो मुख्यतः जनजातीय समुदायों में पाया जाता है। इस रोग में लाल रक्त कणिकाएं अर्धचंद्राकार हो जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह में बाधा उत्पन्न होती है। इससे रोगी को तीव्र दर्द व संक्रमण की समस्या हो सकती है। हर वर्ष 19 जून को सिकल सेल दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को समय पर जांच और उपचार के लिए जागरूक करना होता है।

# जेल में क्षमता से दोगुने कैदी

**माही की गूंज, बड़वानी।**

केंद्रीय जेल में बंदियों की संख्या निर्धारित क्षमता से दोगुनी हो गई है। जेल अधीक्षक शैफाली तिवारी के अनुसार, 686 बंदियों की क्षमता वाली इस जेल में वर्तमान में 1225 बंदी रखे गए हैं। इनमें 40 महिला बंदी शामिल हैं।

उच्चतम न्यायालय के आदेश पर मध्य प्रदेश शासन ने चार नई बैरकों के निर्माण की शुरुआत की है। ये बैरक अक्टूबर माह तक तैयार हो जाने की संभावना है। नई बैरकों में 200 अतिरिक्त बंदियों को रखा जा सकेगा।

वर्ष 1860 में स्थापित इस जेल को वर्ष 2013 में केंद्रीय जेल का दर्जा प्राप्त हुआ। वर्तमान में यहां कुल 22 बैरक हैं। इस जेल में बड़वानी जिले सहित अन्य जिलों के बंदी भी रखे गए हैं। जेल की दीवारों पर विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं।

हालांकि नई बैरक बनने के बाद भी जेल में बंदियों की संख्या निर्धारित क्षमता से अधिक बनी रहेगी।

# क्रेशर संचालकों की हड़ताल: 40 खदानें बंद, गिट्टी आपूर्ति ठप

**माही की गूंज, बड़वानी।**

बड़वानी जिले में क्रेशर खदान संचालकों की हड़ताल बुधवार को चौथे दिन भी जारी रही। मध्य प्रदेश क्रेशर संगठन के नेतृत्व में जिले की लगभग 40 खदानों से गिट्टी की बिक्री पूरी तरह बंद कर दी गई है, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हो गए हैं।

संगठन के अध्यक्ष ओम खंडेलवाल ने बताया कि शासन द्वारा लागू किए गए नए नियमों के कारण संचालकों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हनुमान मंदिर में आयोजित एक बैठक में सर्वसम्मति से काम बंद करने का निर्णय लिया गया।

क्रेशर खदानें बंद होने से ग्राम पंचायतों और अन्य सरकारी निर्माण कार्यों पर असर पड़ा है। मानसून समीप होने के कारण समय पर कार्य पूर्ण न होने की आशंका जताई जा रही है।

जिलाध्यक्ष ने संगठन की पाँच मुख्य माँगें सामने रखीं।इनमें गुजरात की तर्ज पर रॉयल्टी की सीमा को असीमित करने की माँग प्रमुख है। उनका कहना है कि जो खदानें पिछले 25 वर्षों से संचालित हो रही थीं, उन्हें पहले परंपरागत तरीके से मापा गया था। अब उपग्रह तकनीक से नापकर उन पर भारी जुर्माना लगाया जा रहा है।

संचालकों का कहना है कि एक ओर सरकार रोजगार उपलब्ध कराने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर भारी दंड लगाकर खदान पट्टाधारकों को बेरोजगारी की स्थिति में धकेला जा रहा है।

# उद्योगपति के घर सेंधमारी: तीन किलो चांदी के बर्तन और नकदी चोरी

**माही की गूंज, खंडवा।**

इंदौर रोड पर रहने वाले उद्योगपति पवन अग्रवाल के घर 6-7 जून की दरम्यानी रात चोरी हो गई। अज्ञात चोर घर से लगभग तीन किलो चांदी के बर्तन और एक लाख रुपये नकद ले उड़े। पूरी घटना घर में लगे बंद सर्कल कैमरे में दर्ज हो गई है, जिसकी रिकॉर्डिंग पुलिस को सौंप दी गई है। इसके बावजूद चार दिन बीत जाने के बाद भी पदमनगर पुलिस ने अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की है।

पवन अग्रवाल ने बताया कि यह घटना रात करीब डेढ़ बजे की है। चोर घर के पीछे का दरवाज़ा तोड़कर अंदर दाखिल हुए और अलमारी में रखे चांदी के बर्तन तथा नकदी लेकर फरार हो गए। अनुमानित तीन किलो चांदी की बाज़ार कीमत लगभग तीन लाख रुपये बताई गई है, जबकि एक लाख रुपये नकद भी चोरी हुए हैं।

चोरी के बाद अग्रवाल परिवार ने घर के निगरानी कैमरे की रिकॉर्डिंग देखी, जिसमें चोर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। यह फुटेज पुलिस को सौंपने के साथ ही थाने में लिखित शिकायत भी दी गई, लेकिन अब तक न तो प्राथमिकी दर्ज की गई और न ही कोई जांच शुरू हुई।

पदमनगर थाना प्रभारी प्रवीण आर्य ने कहा कि वे पिछले तीन दिनों से जंगल में अतिक्रमण हटाने के अभियान में तैनात थे, इसलिए उन्हें इस चोरी की जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि अब इस मामले को प्राथमिकता से देखा जाएगा।

# ग्राम रोजगार सहायक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के आदेश

**माही की गूंज, खरगोन।**

*जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश सिंह ने जनपद पंचायत भीकनगांव की ग्राम पंचायत सुर्वा के ग्राम रोजगार सहायक मुकूल धामंडे द्वारा की गई वित्तीय अनियमितताओं के कारण उसके विरुद्ध संबंधित पुलिस थाने में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने का आदेश दिया है। जिला पंचायत के मनरेगा परियोजना अधिकारी श्याम कुमार रघुवंशी को इस संबंध में कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, रोजगार सहायक की संविदा सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई है।*

प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रभारी सुचिता खोड़े द्वारा ग्राम पंचायत सुर्वा में हितग्राही कमल पिता लक्ष्मीनारायण के आवास का निरीक्षण करने पर यह तथ्य सामने आया कि हितग्राही द्वारा आवास का निर्माण नहीं किया गया है। इसके बावजूद ग्राम रोजगार सहायक ने किसी अन्य व्यक्ति के मकान की आधारशिला, लिंटल और पूर्ण निर्माण का जियोटैग कर एक लाख बीस हजार रुपये की राशि जारी कर दी।

इसी प्रकार मनरेगा के तहत फलोद्यान योजना में हितग्राही नीला बाई नरहरि के बगीचे का निरीक्षण करने पर पाया गया कि वहां केवल आठ पौधे जीवित हैं, जबकि तकनीकी स्वीकृति के अनुसार सौ पौधे लगाए जाने थे। इस कार्य की कुल लागत एक लाख अठारह हजार रुपये थी, जिनमें से चौवन हजार रुपये पहले ही व्यय हो चुके हैं।

इन गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए मुकूल धामंडे के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, आवास योजना में गड़बड़ी के चलते हितग्राही कमल पिता लक्ष्मीनारायण से एक लाख बीस हजार रुपये की वसूली के लिए तहसीलदार भीकनगांव को राजस्व वसूली प्रमाण पत्र (आरआरसी) जारी करने और यह राशि चल-अचल संपत्तियों की कुर्की एवं नीलामी के माध्यम से वसूल करने के आदेश दिए गए हैं।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि रोजगार सहायक ने 32 प्रधानमंत्री आवास के मामलों में एक लाख पच्चीस हजार छह सौ पैंसठ रुपये की राशि अन्य जॉब कार्ड धारकों के खातों में स्थानांतरित कर दी थी। उसे जांच में उपस्थित होकर पक्ष रखने का अवसर दिया गया था, लेकिन वह न तो उपस्थित हुआ और न ही कोई प्रमाण या साक्ष्य प्रस्तुत कर सका। अतः उसकी संविदा सेवा समाप्त करने की कार्यवाही की गई है।

# जप्त शराब पर चला बुलडोजर, करोड़ के करीब मदिरा नष्ट

**माही की गूंज, बुरहानपुर।**

कलेक्टर हर्ष सिंह और पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार के मार्गदर्शन में गठित समिति द्वारा मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1), 34(2) के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों का निराकरण करते हुए जप्तशुदा मदिरा को नष्ट करने की कार्यवाही की गई।

कार्यवाही के अंतर्गत आबकारी विभाग, पुलिस थाना शाहपुर और थाना खकनार में जप्त की गई मदिरा को तहसीलदार प्रवीण ओहरिया, थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा, आबकारी उपनिरीक्षक शेरसिंह मोरे, मुकुल सिंगाड़े, मुख्य आरक्षक पुलिस मेलसिंह सोलंकी तथा आबकारी अमले की उपस्थिति में बुधवार सुबह 11 बजे मोहना संगम रोड स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड पर नष्ट किया गया।

कुल 1079 पेटियों में रखी गई 8362.56 बल्क लीटर विदेशी मदिरा, 792.0 बल्क लीटर देशी मदिरा तथा 485.55 बल्क लीटर बीयर को बुलडोजर चलाकर नष्ट किया गया। जप्त की गई मदिरा का अनुमानित वर्तमान मूल्य लगभग 95 लाख रुपये आंका गया है।

# त्याग से नया जीवन देने की अनूठी मिसाल

जयपुर का सवाई मान सिंह अस्पताल। यहां छियालीस वर्षीय गुड्डी भर्ती थी। गम्भीर बीमारी के कारण, उसके दोनों गुर्दे खराब हो गए थे। वह डायलिसिस पर थी। लेकिन एक हद के बाद डायलिसिस भी काम करना बंद कर देता है। उसकी हालत बिगड़ रही थी। इसलिए गुड्डी के लिए गुर्दे का प्रत्यारोपण जरूरी था। डाक्टर ऐसे दानदाता को ढूंढ़ रहे थे, जिससे गुड्डी का ब्लड ग्रुप मिलता हो। साथ ही वह स्वस्थ भी हो। अपने देश में आसानी से अंग दान करने वाले मिलते भी नहीं। गुड्डी की देखभाल करने के लिए वहां उसकी चौरासी वर्षीय मां बुधो देवी भी मौजूद रहती थीं। जब उन्हें इस बात का पता चला, तो उन्होंने डाक्टरों से प्रार्थना की कि वह अपनी बेटी को गुर्दा दान करना चाहती हैं। लेकिन उनकी उम्र आड़े आ रही थी। आम तौर पर माना जाता है कि अंग दान देने वाले की अधिकतम उम्र, साठ से पैंसठ वर्ष के बीच में ही हो। लेकिन बुधो देवी डाक्टरों से आग्रह करती रहीं। डाक्टरों ने जब उनके विभिन्न परीक्षण किए, तो वह स्वस्थ निकलीं। उन्हें कोई गम्भीर बीमारी भी नहीं थी। यही नहीं, उनका ब्लड ग्रुप भी गुड्डी से मिल गया।

शुरुआती ऊहापोह और मां बुधो देवी के आग्रह को देखते हुए डाक्टरों ने इस चुनौती को स्वीकार किया। फिर बुधो देवी का गुर्दा निकालकर, उनकी बेटी को प्रत्यारोपित कर दिया। अब मां- बेटी दोनों स्वस्थ हैं। आखिर एक मां का अपनी बेटी को इससे बड़ा उपहार क्या हो सकता है। उन्होंने इसकी मिसाल कायम की और बेटी का जीवन बचाया। डाक्टरों की चेतावनी के बावजूद, अपनी बड़ी उम्र के खतरों की भी परवाह नहीं की। जब बुधो देवी से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें फैसला लेने में न कोई दिक्कत हुई, न डर लगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह तो अपनी उम्र जी चुकीं। यदि उनके अंग दान से उनके किसी बच्चे को जीवन मिल सकता है, वह दर्द से मुक्त हो सकता है, तो वह ऐसा क्यों न करें। उन्होंने यह भी बताया कि आज तक वह कभी बीमार नहीं पड़ी हैं। इस पीढ़ी की महिलाओं ने अथक परिश्रम किया है। इसी का कारण है कि बीमारियां उनके शरीर में घर नहीं बनाती हैं। वर्ना तो इन दिनों छोटी-छोटी उम्र में ही बहुत- सी लड़कियां और महिलाएं गम्भीर रोगों का शिकार हो रही हैं। जीवन में जितना मशीनीकरण बढ़ा है, शारीरिक श्रम उतना ही घटा है। इसीलिए बीमारियां जल्दी दस्तक देने लगती हैं।

एक मां के इस वक्तव्य ने झकझोर कर रख दिया। इतना बड़ा त्याग, जिसमें जान भी जा सकती थी, इसकी कोई परवाह नहीं की। इस मां को चिंता इस बात की थी कि कैसे भी वह अपनी बेटी का जीवन बचा सकें। ऐसी मां को सलाम है। आम तौर पर तो हमारे समाज में कुछ इस तरह की अवधारणा कायम है कि माता-पिता अपनी बेटियों के जीवन पर कोई ध्यान नहीं देते। बुधो देवी ने बेटी बचाओ अभियान के बारे में हो सकता है, सुना हो, न सुना हो, लेकिन उन्होंने आगे बढ़कर अपने कर्तव्य का निर्वहन किया। कायदे से तो इस मां को बड़े से बड़ा पुरस्कार भी कम पड़ जाए। वह न तो बहुत धनवान हैं, न उन्होंने बेटियों के अधिकारों के बारे में कुछ पढ़ा होगा। लेकिन ऐसी मांएं हमारे समाज में कोई अजूबा भी नहीं, जो अपने बच्चों के लिए जान की बाजी लगा देती हैं। सवाई मानसिंह अस्पताल के वे डाक्टर, जो इस आपरेशन से जुड़े थे, बुधो देवी की मजबूत इच्छाशक्ति की तारीफ कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह एक मां का प्यार तो है ही, उन लोगों के लिए भी मिसाल है, जो अंग दान करना नहीं चाहते। शायद इस उदाहरण से अन्य लोगों को प्रेरणा मिले। बुधो देवी को तीन दिन बाद ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

गुर्दा प्रत्यारोपण से जुड़े तीन मामलों को यह लेखिका भी जानती है। दिल्ली विश्वविद्यालय की एक प्राध्यापिका के भी दोनों गुर्दे खराब हो गए थे। तब भी उनकी मां ने गुर्दा दान किया था। एक दूसरे मामले में दो बहनें थीं। दोनों ही अविवाहित। अचानक बड़ी बहन की तबीयत खराब रहने लगी। डाक्टरों ने बताया कि उसके दोनों गुर्दे खराब हो गए हैं। बहुत दिनों तक डायलिसिस भी हुई लेकिन बड़ी बहन की तबीयत बिगड़ती गई। तब उसकी छोटी बहन ने उसे अपना गुर्दा दान करने का फैसला किया। बाद में जब उसके किसी रिश्तेदार ने कहा कि तुम्हारे सामने तो जिंदगी पड़ी थी। ऐसा क्यों किया, तो छोटी बहन ने कहा दृ मेरी बहन के सामने भी तो जिंदगी पड़ी थी। क्या हो गया जो उसे गुर्दा दे दिया। अब हम दोनों एक-एक गुर्दे से ही काम चला लेंगे। कम से कम मेरी बहन का साथ तो रहेगा। ये दोनों घटनाएं दशकों पहले की हैं।

तीसरी घटना कुछ साल पहले की है। दूरदर्शन में काम करने के दिनों में एक महिला ने अपनी ननद का किस्सा सुनाया। बताया कि उसकी ननद को पतली दिखने का बड़ा शौक था। इसलिए वह कुछ खाती ही नहीं थी। अन्न तो बिल्कुल नहीं। इससे उसके गुर्दे सिकुड़ गए। खराब हो गए। जान बचाने के लिए प्रत्यारोपण जरूरी था। उसके पिता का ब्लड ग्रुप भी मिल गया। वह स्वस्थ भी थे। लेकिन जिस दिन गुर्दा प्रत्यारोपण का आपरेशन होना था, उस दिन, वह अस्पताल छोड़कर भाग निकले। बहुत दिनों तक घर वापस नहीं आए। और उस लड़की की जान नहीं बचाई जा सकी।

क्षमा शर्मा

हमारे देश में अंग दान को लेकर भ्रांतियां भी बहुत हैं। इन दिनों बहुत से अस्पतालों में ऐसे काउंसलर मौजूद होते हैं, जो निधन की स्थिति में घर वालों को समझाते हैं कि वे मृत व्यक्ति के अंग दान कर दें। इससे वह हमेशा दूसरों के भीतर जीवित रहेगा, या रहेगी। बहुत से लोगों को ये बात समझ में आती है और वे ऐसा करते हैं। कई बार तो ऐसा होता है कि कोई दिल दिल्ली में मिला और उसकी जरूरत चेन्नई में है। ऐसे में ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जल्दी से जल्दी अंग को जरूरतमंद के पास पहुंचाया जाता है।

आम तौर पर आखों के कोर्निया, लिवर, गुर्दे, दिल आदि दान किए जाते हैं। डायबिटीज के वे मरीज जो जीवन भर के लिए इंसुलिन पर निर्भर होते हैं, क्योंकि उनका अग्नाशय या पैन्क्रियाज इंसुलिन नहीं बनाता। इस डायबिटीज को टाइप वन डायबिटीज कहा जाता है। जो आम तौर पर बाल्यावस्था या किशोरावस्था में हमला बोलती है और कभी ठीक नहीं होती। पहले अपने देश में टाइप वन डायबिटीज के बहुत कम मामले होते थे। लेकिन खान-पान की बदलती शैली के कारण इन रोगियों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। विशेषज्ञ कहते हैं कि यदि टाइप वन के मरीजों को पैन्क्रियाज प्रत्यारोपित कर दिया जाए, तो इंसुलिन लेने की जरूरत खत्म हो सकती है। अंग दान से सम्बंधित संस्थाओं को इस बारे में भी सोचना चाहिए। अपने देश में तीन अगस्त को अंग दान दिवस भी मनाया जाता है। वैज्ञानिक यह कोशिश भी कर रहे हैं कि मनुष्य के तमाम अंगों को प्रयोगशाला में ही उगा सकें।

# ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भक्त करवाएंगे भगवान को स्नान... प्रभु होंगे बीमार

माही की गूंज, उज्जैन।

देश भर में भगवान जगन्नाथ के महोत्सव को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर बुधवार के दिन से यह महोत्सव शुरू हो जाता है। इसे लेकर देश के अलग-अलग मंदिरों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बुधवार 11 जून को स्नान यात्रा महोत्सव आयोजित किया गया। इस दिन भक्त बिना किसी भेदभाव के अपने हाथों से भगवान जगन्नाथ, बलदेव तथा सुभद्रा महारानी को स्नान करवाये। जिसके बाद स्नान करने के कारण भगवान बीमार हो जाएंगे और उनका उपचार किया गया।

### ज्वर लीला करेंगे भगवान

धार्मिक मान्यता के अनुसार स्नान यात्रा महोत्सव में भक्तों द्वारा भगवान को अत्यधिक स्नान कराने के कारण उन्हें सर्दी हो जाती है और वें बीमार पड़ जाते हैं। एक पखवाड़े तक पुजारी एकांतवास में आयुर्वेदिक औषधियों से भगवान का उपचार करते हैं। इस दौरान भक्तों को भगवान के दर्शन नहीं होंगे। स्वस्थ होने के उपरांत 27 जून को भगवान रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकलेंगे।

### इस्कान मंदिर में भव्य स्नान यात्रा महोत्सव का आयोजन

उज्जैन के भरतपुरी स्थित इस्कान मंदिर में भी स्नान यात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसे लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुबह 9.30 से 11.30 बजे तक भगवान के महाअभिषेक का सिलसिला चलेगा। इसके बाद भगवान को मंदिर वेदी में विराजित किया जाएगा। दोपहर एक बजे भगवान के गजवेश दर्शन होंगे। स्नान यात्रा के दिन साल में सिर्फ एक बार भगवान के गजवेश दर्शन होते हैं।

पीआरओ राघव पंडित दास प्रभु ने बताया , उज्जैन के राजा इंद्रद्युम्न ने अपनी निष्कलंक भक्ति से भगवान श्रीकृष्ण को काष्ट रूप में प्रकट किया था। भगवान के इस दिव्य स्वरूप में प्रकट होने पर भक्त भावविभोर हो गए और उन्होंने भगवान को खूब स्नान कराया। उज्जयिनी की धर्म धरा पर इस्कान मंदिर के प्रांगण में बुधवार को वह धर्म प्रसंग एक बार फिर जीवंत हो उठेगा, जब भक्त भगवान जगन्नाथ को पवित्र नदियों व सरोवर के जल से स्नान काएंगे।

### अलग-अलग नदियों के जल से करवाया जाएगा स्नान

मंदिर प्रबंधन ने भगवान के महाअभिषेक के लिए गंगा, जमुना, नर्मदा, शिप्रा व कोटितीर्थ कुंड के पवित्र जल का प्रबंध किया है। इसी जल से भक्त भगवान को स्नान कराएंगे। जगन्नाथ के जलाभिषेक के लिए भक्तों को ड्रेस कोड का पालन करना होगा। पुरुषों को धोती कुर्ता तथा महिलाओं को साड़ी पहनना अनिवार्य है। सामिजक समरसता के इस महामहोत्सव में बिना भेदभाव के कोई भी भक्त शामिल हो सकते हैं।

### भगवान जनार्दन का इत्र से अभिषेक

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर सिंहपुरी जनार्दन गली स्थित श्री जनार्दन मंदिर में भगवान जनार्दन का इत्र व गुलाब जल से महामस्तकाभिषेक होगा। कोई भी भक्त बिना भेदभाव के भगवान का इत्र व गुलाब जल से अभिषेक कर सकते हैं। पुजारी आनंद चतुर्वेदी ने बताया ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान जनार्दन के महामस्तकाभिषेक की परंपरा पुरानी है। इस बार भी 11 जून को सुबह 10 से 11.30 बजे तक भक्त भगवान का अभिषेक कर सकते हैं। इत्र व गुलाब जल की व्यवस्था मंदिर प्रबंध समिति की ओर से रहेगी।

# प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्ष पूर्ण

माही की गूंज, आम्बुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष पूर्ण होने पर आम्बुआ मंडल मे संकल्प सभा एवं कार्यशाला का आयोजन माँ पार्वती स्कूल आम्बुआ में किया गया। इस अवसर पर भाजपा सांसद श्रीमती अनिता नागर सिंह चौहान ने कहा कि, मोदी सरकार के नेतृत्व में विकसित भारत का अमृत काल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के उत्थान किया है। मोदी सरकार के 11 वर्ष गौरवपूर्ण होने से सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया। इस अवसर पर प्रखंड के विभिन्न गांवों में एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण व अन्य कार्यक्रम किए जाएंगे इसके बाद कार्यकर्ताओ को संबोधित किया।

### रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुईं

सरकार ने जनधन खातों और डीबीटीएल योजना से लाभार्थियों तक सीधे पैसा पहुंचाया। महिलाओं, गरीबों, किसानों और युवाओं के लिए कई योजनाएं शुरू की गईं। देश में ढांचागत विकास में प्रगति हुई। सीमावर्ती क्षेत्रों तक सड़कों का विस्तार किया गया। रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुईं।

इस अवसर पर जिला महामंत्री मांगीलाल, मंडल अध्यक्ष भरत माहेश्वरी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विकास माहेश्वरी, धुंधा कनेश सरपंच एवं सभी मोर्चों के मंडल अध्यक्ष सक्ति केंद्र सयोजक बूथ अध्यक्ष मंडल के सभी सरपंच वा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# बेगम बाग में महाकालेश्वर मंदिर के पास निर्माण पर चला बुलडोजर

उज्जैन।

मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में बेगम बाग इलाके में बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच अवैध निर्माणों को हटाने के लिए ज़िला प्रशासन ने छापामार कार्रवाई की। यह इलाका महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित है, जहां कुल सात अवैध निर्माण हटाए गए।

उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी ने बताया, ÷लगभग दो साल पहले, यूडीए ने यहां सड़कों के दोनों ओर बने संरचनाओं के लीज़ रद्द कर दी थी क्योंकि वे लीज़ की शर्तों का उल्लंघन कर रहे थे। इसके बाद उन चार प्लॉट्स पर नोटिस जारी किए गए जिन पर सात संरचनाएं बनी थीं और जहां कुछ व्यावसायिक गतिविधियां अभी भी चल रही थीं। लीज़ रद्द होने के बाद ये सभी संरचनाएं सरकारी संपत्ति मानी जाती हैं और उस भूमि पर निर्माण अवैध अतिक्रमण में आता है।÷

उन्होंने आगे कहा, ÷इन संपत्तियों को अतिक्रमण मानते हुए अंतिम नोटिस जारी किया गया। उसके बाद जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस की मदद से यूडीए ने आज संपत्ति पर कब्जा कर कार्रवाई शुरू की।÷

इस बीच, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव ने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

एएसपी भार्गव ने कहा, 'बेगम बाग इलाके के चार स्थानों पर कुल सात संरचनाओं को उज्जैन विकास प्राधिकरण की कार्रवाई में हटाया जा रहा है। इलाके में 150 पुलिस कर्मी मौजूद हैं। सभी कार्रवाई शांति से हो रही है।' इसके पहले भी यूडीए ने इसी इलाके में अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की थी, लेकिन कोर्ट के स्टे के कारण कुछ संरचनाओं को हटाने से रोक लगा दी गई थी। अब जब स्टे हटा दिया गया है, तो बुधवार को फिर से कार्रवाई शुरू की गई।

# नगर निगम और लोक निर्माण विभाग विकास का कार्य करे- कलेक्टर

माही की गूंज, उज्जैन।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बुधवार सुबह नगर निगम के प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता पूर्वक समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने निरीक्षण की शुरुआत कोठी रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण कर की। इसके पश्चात् कलेक्टर सिंह ने नगर निगम द्वारा किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों का निरीक्षण कर ,कार्य सुव्यवस्थित रूप से करने का निर्देश दिए।

कलेक्टर सिंह ने पंचमुखी हनुमान और दोतालाब रोड का निरीक्षण कर नगर निगम को लोक निर्माण विभाग से समन्वय कर चौराहों के विकास कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने सिकंदरी डी मार्ट मार्ग,लालपुल मार्ग का निरीक्षण भी किया। कलेक्टर सिंह ने तरणताल का निरीक्षण कर पार्किंग के लिए जगह सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त आशीष पाठक, नगर निगम अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह एवं नगर निगम की टीम उपस्थित रही।

# मंदिर में घुसी बस, कई गाड़ियां आई चपेट में...

उज्जैन।

एक बस बिना ड्राइवर के रिवर्स चलते हुए मंदिर में जा घुसी। हादसे में मंदिर का अगला भाग और दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन बेकाबू बस के आने से दर्शनार्थियों में भगदड़ मच गई। घटनानुसार, आगर रोड स्थित चामुंडा माता मंदिर में मंगलवार को कई लोग दर्शन कर रहे थे तभी ये हादसा हुआ।

### कैसे हुआ उज्जैन में बस का बड़ा हादसा?

बीएसएनएल ऑफिस पर खड़ी यादव ब्रदर्स की बस को ड्राइवर स्टार्ट छोड़कर चला गया। लेकिन, बस में क्लीनर सफाई कर रहा था। उसने सफाई करते हुए बस के गियर को पकड़कर हिला दिया, जिससे उसमें रिवर्स गियर लग गया और बस पीछे चलते हुए चामुंडा माता मंदिर से जा भिड़ी। बस को पीछे आते देख लोग भागने के कारण बच गए, लेकिन मंदिर काबोर्ड, टू व्हीलर, एक ई-रिक्शा और वहां लगी फूल प्रसाद की दुकान तहस नहस हो गई। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

### चश्मदीद बोले - जान बची

घटना के समय मंदिर में मौजूद लोगों ने बताया कि यादव ब्रदर्स की बस उज्जैन-ओम्कारेश्वर के बीच चलती है। कई श्रद्धालुओं की गाड़िया रखी थी। कुछ लोग खड़े होकर दर्शन कर रहे थे। इसी दौरान एक बस रिवर्स चलते हुए मंदिर में जा घुसी। यहां खड़े लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मामले में अब तक किसी ने पुलिस को शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

# मंडियों में किसानों को मूंग विक्रय का मिले उचित दामः मुख्यमंत्री

माही की गूंज, उज्जैन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि, कृषि उपज मंडियों में पारदर्शी व्यवस्था बनाकर मूंग खरीदी की जाएगी। प्रदेश के बाहर से व्यापारियों को भी मूंग खरीदी के लिए सुविधाएं प्रदान की जाएंगी और प्रोत्साहित किया जाएगा। मंडियों में किसानों को मूंग विक्रय का उचित दाम मिल सके इसके लिए व्यापारियों को बोली लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत दिवस मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में उनसे भेंट करने आए भारतीय किसान संघ मध्यप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल से यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मूंग पर मंडी शुल्क में राहत दी जा सकती है या नहीं इसकी जांच की जायेगी। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और आईटीसी को मूंग नीलामी में शामिल करने के लिये प्रेरित किया जायेगा। हमारा प्रयास यह है कि मंडियों में मूंग की मॉडल दरे बढ़कर लगभग 7500 रूपये प्रति क्विंटल हो जाये। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बाहर से आने वाले व्यापारियों को नये मंडी लायसेंस भी दिये जायेंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है। खेती और किसानी राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। प्रदेश में कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए कोई कसर छोड़ी नहीं जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कपास उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। गौ-शाला संचालित करने के लिए 20 रुपए से बढ़ाकर प्रति गाय 40 रुपए अनुदान राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसान, फसल चक्र अपना कर उत्पादन में वृद्धि कर सकते हैं।प्रतिनिधिमंडल में भारतीय किसान संघ, मध्यप्रदेश के अध्यक्ष कमल सिंह आंजना, चंद्रकात गौर और अन्य पदाधिकारी शामिल थे। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा उपस्थित थे।

# नशा मुक्ति भारत अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, देवास।

जिले में नशीले पदार्थों तथा शराब के सेवन के दुष्परिणामों से आमजन को जागरूक करने एवं निरंतर नशामुक्ति अभियान के कियान्वयन के लिए गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्टर ऋतुराज सिंह अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित हुई।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने अभियान के तहत विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेकर जिले में लगातार नशा मुक्ति अभियान चलाने एवं उसके दुष्परिणामों की जानकारी आमनागरिकों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री ज्योति शर्मा, एडीएम बिहारी सिंह, एसडीएम सोनकच्छ श्रीमती प्रियंका मिमरोट, टोंकखुर्द एसडीएम कन्हैयालाल तिलवारी, डिप्टी संजीव सक्सेना, डिप्टी कलेक्टर अभिषेक शर्मा, उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्रीमती संगीता यादव सहित अन्य जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने उच्च शिक्षा विभाग एवं शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि कक्षा वार ग्रुप बना कर विद्यार्थियों को एल्कोहल से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताएं। उन्होंने निर्देश दिए कि नशा मुक्ति अभियान के तहत कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायें तथा नशा मुक्ति मित्र बनाये। उन्होंने आबकारी एवं पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि नशे से संबंधित की जा रही कार्यवाही की जानकारी एवं फोटो उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण देवास उपलब्ध कराएं, जिससे जिले में नशा के विरूद्ध की जा रही कार्यवाही के फोटो एन.एम.बी.ए. एप पर अपलोड की जा सके। संबंधित समस्त विभागों को निर्देश दिए कि नशा मुक्त समाज के लिए जागरुकता अभियान का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करें। बैठक में उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगज सशक्तिकरण ने नशा मुक्ति भारत अभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

# जर्जर होने पर तोड़े गए स्कूल भवनों की जगह नहीं बनाए नये स्कूल भवन

## नवीन शिक्षा सत्र शुरू होने पर कई बच्चों और शिक्षकों की होगी फजीहत

माही की गूंज, बरवेट। जगदीश प्रजापत

पिछले कई सालों से बने पुराने एवं जर्जर स्कूल भवनों को शासन के निर्देश पर प्रशासन ने गिरा दिया है। उनके बदले में अभी तक नये भवन स्वीकृत नही हुए है। स्कूल भवन नही बनने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होगी। नये भवन नहीं बनने से छात्रों को कक्षाएं कहाँ लगेंगी? सवाल उठता है कि जब जर्जर भवन को गिराने से पहले नये भवन स्वीकृत क्यो नही हुए? वही 16 जून से शुरू नए सत्र में छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होगी। इधर विभाग का कहना है कि, शासन के आदेश पर हमने पुराने जर्जर स्कूल भवनों को गिराया है। बच्चों की पढ़ाई के लिए, बच्चों को अन्य भवनो में स्थानांतरित किया गया। इधर ग्रामीणों का कहना है कि, एक अस्थायी समाधान शीघ्र होना चाहिए। ताकि बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए, जल्द से जल्द नए भवन का निर्माण किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि, ग्रामीण अंचल में शिक्षा का अलख जगाने के लिए तीन-चार दशक पहले गाव-गाव, फलिए-फलिए में स्कूलों को खोले गए थे। वर्षों पहले बनाए गए भवन जर्जर हो जाने से गत वर्ष उनको गिराया गया था।

– बरवेट संकुल क्षेत्र में स्कूल भवनं का मलबा अब भी परिसर में।

### पढ़ाई प्रभावित होगी

ग्रामीण अंचल में जर्जर स्कूल भवनों को गिराने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होगी। उनको बहार बिठाया जा सकता है। जब तक नया भवन निर्माण नही होता उनको अन्य दूसरी जगह पड़ने जाना पड़ेगा। पहली-दूसरी के बच्चे अन्य दूसरी जगह पढ़ाई करने नही पहुच पाएंगे। भवन गिराने से पहले भवनों का निर्माण होना चाहिए था। पुराने एव जर्जर भवन गिराने से पहले नए भवन बनने की स्वीकृति होना चाहिए थी। जर्जर भवन गिराने के एक साल बाद भी भवन स्वीकृत नही हुए है। छात्रों को अन्य इमारतों में स्थानांतरित किया जाने से उनको हिचक होगी। ग्रामीण अंचल में पुराने जर्जर भवनों को गिराना भी एक आवश्यक कदम है। क्योंकि ये बड़े हादसों को निमंत्रण दे रहे थे। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर गिरना उचित था। लेकिन सरकार को नये भवन भी जल्द से जल्द स्वीकृत करना चाहिए। नये भवन का निर्माण बच्चों को एक सुरक्षित और आरामदायक शिक्षा का माहौल प्रदान करेगा। नए भवन में आधुनिक सुविधाओं के साथ, बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सकती है।

विकास खंड पेटलावद बीआरसी रेखा गिरी ने बताया कि, छात्रों की सुरक्षा की दृष्टि से पुराने जर्जर भवन जो तीस से चालीस साल पुराने ऐसे 48 भवन गिराए गए है। अब तक चार भवन स्वीकृत होकर कार्य प्रारंभ हो गए है। शेष बाकी भवनों की स्वीकृति के लिए जानकारी भेज दी है।

### बच्चों और शिक्षकों की फजीयत

गिराये गए कई स्कूल भवनों की कोई वैकल्पिक व्यवस्था या उनके गिरने से नये भवनों के स्वीकृति होना जरूरी थी लेकिन जिम्मेदारो द्वारा इस और ध्यान नही दिया गया । अब विभाग के पास जो विकल्प मौजूद हैं उन बच्चो को उसी गाँव की अन्य स्कूल के भवनों या उस ग्राम पंचायत क्षेत्र की अन्य स्कूल में बच्चों को शिफ्ट करना होंगे। तो कई स्कूलों में दूसरे भवन बने हैं जहां प्राथमिक ,मिडिल या हॉई स्कूल संचालित हो रही उन भवनों में क्षमता से अधिक या एक कमरे में ही दो से तीन कक्षा के बच्चों को बैठा कर पढ़ाया जा सकता है। जिससे न केवल स्कूली बच्चों बल्कि संस्था शिक्षकों की भी फजीयत होनी तय है। अलग-अलग स्कूल के बच्चों में एक साथ बैठकर पढ़ना और उनका रिकॉर्ड रखने में भी परेशानी होनी है ।

### बरवेट संकुल के अंतर्गत पांच विद्यालय गिराए

पेटलावद विकासखंड के बरवेट संकुल केंद्र के अंतर्गत पांच प्राथमिक विद्यालय गोठानिया खुर्द, प्रावि. पिपलीपाड़ा, प्रावि. गरवाड़ी, प्रावि. महुडीपाड़ा खुर्द, प्रावि. कालीघाटी जो कि काफी पुराने और जर्जर हालत में थे छात्रों की सुरक्षा की दृष्टि से गिराए गये है।

### इतने छात्र इस स्कूल में

प्राथमिक विद्यालय गोठानिया खुर्द- 33 छात्र, प्राथमिक विद्यालय पिपलीपाड़ा- 20 छात्र, प्राथमिक विद्यालय गरवाड़ी- 19 छात्र, प्राथमिक विद्यालय महुडीपाड़ा खुर्द- 19 छात्र, प्राथमिक विद्यालय कालीघाटी- 30 छात्र।

# पाकिस्तान को बेनकाब करने वाले सर्वदलीय टीम के सदस्यों से मिले पीएम

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री आवास पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध भारत के सशक्त रुख से विश्व को अवगत कराने हेतु विभिन्न देशों की राजधानियों की यात्रा पर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से भेंट की।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने प्रधानमंत्री के साथ विदेश यात्राओं के अनुभव साझा किए। सभी दलों के सांसदों, पूर्व सांसदों और प्रतिष्ठित राजनयिकों से गठित इन प्रतिनिधिमंडलों ने अपने दौरे के दौरान आतंकवाद के विरोध में भारत की नीतियों और विश्व शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रमुखता से प्रस्तुत किया।

केंद्र सरकार पहले ही 50 से अधिक सदस्यों वाले सात प्रतिनिधिमंडलों के कार्य की सराहना कर चुकी है, जिनमें अधिकांश वर्तमान सांसद हैं। इनमें कई पूर्व सांसद और राजनयिक भी सम्मिलित थे जिन्होंने 33 विदेशी राजधानियों एवं यूरोपीय संघ का दौरा किया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी इन प्रतिनिधिमंडलों से भेंट कर चुके हैं और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ नीति को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के उनके प्रयासों की प्रशंसा की है।

चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने किया, जिनमें भारतीय जनता पार्टी के दो, जनता दल (यूनाइटेड) के एक और शिवसेना के एक सांसद सम्मिलित थे। वहीं, तीन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व विपक्षी दलों के सांसदों ने किया, जिनमें कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के एक-एक सांसद सम्मिलित थे।

भाजपा के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, कांग्रेस के शशि थरूर, जनता दल (यू) के संजय झा, शिवसेना के शिंदे, द्रमुक की कनिमोई और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सुप्रिया सुले ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया।

सरकार द्वारा भेजे गए इन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में राष्ट्रीय एकता और आतंकवाद के विरुद्ध एकजुटता का संदेश था। इन प्रतिनिधिमंडलों में कांग्रेस के शशि थरूर और एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी जैसे विपक्षी नेता भी सम्मिलित थे, जिन्होंने सत्तारूढ़ दल के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर विदेशों में भारत के हितों की पैरवी की।

इन प्रतिनिधिमंडलों में प्रमुख पूर्व सांसदों में पूर्व केन्द्रीय मंत्री गुलाम नबी आज़ाद और सलमान खुर्शीद का नाम भी उल्लेखनीय है।

## मनमानी होगी खत्मः शराब दुकानों पर लगाए गए क्यूआर कोड

**इंदौर।** देशी और विदेशी शराब को निर्धारित मूल्य से अधिक पर बेचने की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद अब आबकारी विभाग ने जिले की सभी 173 शराब दुकानों पर क्यूआर (त्वरित प्रतिक्रिया) कोड चस्पा कर दिए हैं। प्रत्येक दुकान पर तीन अलग-अलग स्थानों पर यह कोड लगाए गए हैं। अब उपभोक्ता इन को स्कैन कर किसी भी शराब ब्रांड के न्यूनतम विक्रय मूल्य और अधिकतम विक्रय मूल्य की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

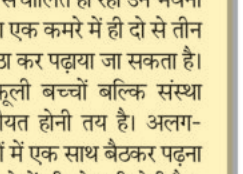


### लगेगी लगाम

जिले की शराब दुकानों से अधिक मूल्य पर शराब बेचने की कई शिकायतें जिला प्रशासन और मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर पहुंच रही थीं। इस पर जिलाधिकारी आशीष सिंह ने आबकारी विभाग को सख्त निर्देश दिए। इसके बाद सभी दुकानों पर क्यूआर कोड लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई। अब यह व्यवस्था लागू हो गई है जिससे अनुचित मूल्य वसूली पर रोक लगाई जा सकेगी और उपभोक्ताओं को वास्तविक मूल्य की जानकारी सुलभ होगी।

### दुकानों पर कार्रवाई, हुआ बड़ा जुर्माना

मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की जांच में कई शराब दुकानों द्वारा अधिक मूल्य वसूलने की पुष्टि हुई। जांच के बाद जिले की 18 दुकानों पर कार्रवाई करते हुए 19 प्रकरण दर्ज किए गए। सभी दुकानों को नोटिस जारी कर 51 लाख रुपये का जुर्माना प्रस्तावित किया गया है।

# क्या डोनाल्ड ट्रंप ने कराया युद्ध विराम?

**मुंबई, सीजफायर।**

भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम को लेकर शिवसेना के सांसद संजय राउत ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि, अब तक सरकार की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में युद्धविराम नहीं हुआ था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सातों सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सांसदों की भेंट को लेकर पूछे गए सवाल पर राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री इस प्रकार के आयोजन करते रहते हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो युद्धविराम हुआ है, वह ट्रंप के दबाव में हुआ या नहीं।

उन्होंने कहा कि देश यह जानना चाहता है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप अब तक 15 बार सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर दबाव बनाया कि युद्धविराम की घोषणा की जाए।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा केंद्र सरकार की पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) मुद्दे पर की गई आलोचना पर राउत ने कहा कि देश के 140 करोड़ नागरिकों के मन में यह विश्वास था कि अब मोदी सरकार पीओके को वापस लेगी और पाकिस्तान को ऐसा करारा जवाब देगी कि वह फिर उठ नहीं पाएगा।

उन्होंने कहा कि, जनता को विश्वास था कि अब लाहौर और कराची को भी भारत में शामिल कर एक अखंड भारत का सपना साकार किया जाएगा। हमें आशा थी कि प्रधानमंत्री मोदी वीर सावरकर के सपने को साकार करेंगे, लेकिन ऐसा अब तक नहीं हुआ।

महाकुंभ में सरकारी आँकड़ों से अधिक लोगों की मृत्यु की खबरों पर संजय राउत से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि, हम पहले दिन से कह रहे हैं कि कुंभ में हजारों लोगों की मृत्यु हुई और हजारों लोग लापता हो गए, जिनका अब तक कोई पता नहीं चल पाया है।

# बिना पदोन्नति रिटायर हुए एक लाख कर्मचारी, जल्द आ सकता है नया नियम

**भोपाल।**

**मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2002 को वर्ष 2016 में जबलपुर उच्च न्यायालय द्वारा निरस्त किए जाने के बाद से अब तक एक लाख से अधिक अधिकारी-कर्मचारी बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो गए हैं। ये सभी कर्मचारी पदोन्नति के पात्र थे, लेकिन नए नियम न बनने और विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें न होने के कारण प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी।**

### मोहन सरकार ने दिखाया समाधान का मार्ग

कर्मचारियों की नाराजगी को देखते हुए तत्कालीन सरकार द्वारा उच्च पद का प्रभार देने की अस्थायी व्यवस्था बनाई गई थी, परंतु यह सभी विभागों में प्रभावी नहीं हो पाई। अब मोहन सरकार ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए नए नियमों का प्रारूप तैयार कर लिया है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार चला तो जून माह में ही कैबिनेट की स्वीकृति के पश्चात यह अधिसूचित हो सकता है।

### आरक्षण नियम बना था विवाद का कारण

पूर्ववर्ती सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग को साधने के उद्देश्य से वर्ष 2002 में बनाए गए नियम में जनसंख्या के अनुपात में पदोन्नति में आरक्षण तथा योग्यता सह वरिष्ठता का प्रावधान किया गया था। इस कारण कई बार एक ही बैच के इंजीनियरों में कुछ को आगे बढ़ने का मौका मिला, जबकि अन्य पीछे रह गए।

इस नियम को 2016 में उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि, पदोन्नति में आरक्षण से पूर्व उच्चतम न्यायालय द्वारा ÷एम. नागराज मामले÷ में दिए गए निर्देशों जैसे पिछड़ेपन एवं कार्यक्षमता का मूल्यांकन नहीं किया गया था। इसके विरुद्ध सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी।

### बयानबाजी और चुनावी नुकसान

पदोन्नति में आरक्षण के समर्थन में तत्कालीन मुख्यमंत्री के बयान ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। सामान्य वर्ग के कर्मचारी असंतुष्ट हो गए और इसका असर 2018 के विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिला। कांग्रेस की सरकार बनने के बाद भी सर्वोच्च न्यायालय में शीघ्र सुनवाई के लिए प्रयास तो हुए, पर समाधान नहीं निकला।

### नई दिशा की उम्मीद

सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज गोरकेला से नियमों का प्रारूप तैयार कराया। इसके पश्चात तत्कालीन गृहमंत्री की अध्यक्षता में समिति बनाकर सभी पक्षों से विचार-विमर्श कर रिपोर्ट तैयार की गई, लेकिन चुनाव के कारण इसे लंबित रखा गया। अब मोहन सरकार ने इस लंबित मुद्दे के लिए मुख्य सचिव की निगरानी में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सैकड़ों सरकारी परिपत्रों, न्यायालयीन निर्णयों और कर्मचारी संगठनों की अपेक्षाओं के आधार पर नए नियमों का प्रारूप तैयार कर लिया गया है। जिसे आगामी कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422